

४८३ सत २५५

रजिस्ट्री सं० डी-२२२



REGISTERED NO. D-222

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २९]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई २०, १९७४ (अषाढ़ २९, १८९६)

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 20, 1974 (ASADHA 29, 1896)

इस भाग में चिह्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड १

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, मियंब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई 1974

सं० ए० 12022/1/74-प्रशा०-I—भारतीय सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क सेवा के अधिकारी श्री जी० बी० नाथन ने 18 जून, 1974 के पूर्वात्म से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 8 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय मेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I दिनांक 10 अप्रैल, 1974 द्वारा उक्त मेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 6 जून, 1974 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्याखर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 6 जून, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० १० जोशी को राष्ट्रपति द्वारा 1—156GI/74

1-5-1974 से 15-6-1974 तक 46 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जुलाई 1974

सं० पी०/1765-प्रशासन-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा डाक व तार महानिदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री क० एन० वोहरा को 1 जून, 1974 से 14 जूलाई, 1974 तक या आगामी आदेशों तक—जो भी पहले हो—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति-आधार पर अनुसंधान अधिकारी के रूप में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एम० आर० भागवत

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

मंदिरगढ़ ल सचिवालय

(कार्यक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अस्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक जून 1974

सं० पी० एफ०/के०-०-१/74-प्रशासन-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री क० वे० वे० बजाज सहायक निरीक्षण निदेशक

(अन्वेषण), निरीक्षण निदेशालय (अन्वेषण), केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को दिनांक 22-6-74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से मुख्य तकनीकी अधिकारी (लेखा तथा आवकर) नियुक्त करते हैं। प्रतिनियुक्ति काल में श्री वजाज, समय-समय पर मंशोधित वित्त मंत्रालय के दिनांक 4-5-61 के शापन सख्ता 10(24) ई-III में निहित शर्तों द्वारा शासित होंगे।

गुनप्रारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (रथाई)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

गृह मंत्रालय

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 1974

सं० 6/6/72-आर० जी० (ए० छी० I)---राष्ट्रपति श्री पी० पदमानाभा, आई० ए० एस० कर्णटक के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधिकारी की सेवाएँ को दिनांक 1 मार्च, 1974 से कर्णटक सरकार के सुपुर्दे सहर्ष करते हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी सहर्ष निर्णय किया है कि उपरोक्त दिनांक से अगले आदेश प्रेषित होने तक श्री पदमानाभा, कर्णटक सरकार के अन्तर्गत समय-समय से दिए गए कार्य के अतिरिक्त कर्णटक के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधिकारी के पद पर पदेन रूप से कार्य करेंगे।

रा० ब० चारी
भारत के महापंजीकार
एवं पदेन, संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास
देवास, दिनांक 2 जुलाई 1974

सं० नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/ई०/स्प०/39---श्री जाय पीटर, फोरमैन (उत्पादन) प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद की, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में भाण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई स्थानापन्न नियुक्ति, दिनांक 23-5-74 (पूर्वाह्न) से 30-6-74 (अपराह्न) तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, निरन्तर की जाती है।

आर० रामास्वामी
विषेश कर्तव्यस्थ अधिकारी

कार्यालय महालेखाकार राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1974

सं० प्रशासन 1/5-5/प्रीमोशन/74-75/754---वार्धक्य निवर्तन की आमू (58 वर्ष) प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप

इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा अधिकारी श्री साधुराम को भारत सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय शापन सं० 33/12/73 इस्टै० (ए०) दिनांक 24-11-73 के अनुसार दिनांक 30-6-74 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

उनसी जन्म तिथि 12-6-1916 है।

दिनांक 1 जुलाई 1974

सं० प्रशासन 1/5-5/पदोन्नति/74-75/761---श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को लेखा अधिकारी के पद पर समय वेतनमान रु० 840-1200 में उनके सामने अंकित तिथि से स्थानापन्न रूप से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।:-

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
1 श्री देवराज II, अनुभागाधिकारी	1-7-74 पूर्वाह्न
2. „ आर० एन० तंबर „	1-7-74 पूर्वाह्न
3. „ एस० के० भंडारी „	1-7-74 पूर्वाह्न
4. „ गिरिगज प्रसाद „	1-7-74 पूर्वाह्न
रु० अपठनीय	

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

इलाहाबाद, दिनांक 28 जून 1974

सं० का० आ० प्रशासन 1/11-144/11/क० उल्लू०/115---महालेखाकार उत्तर प्रदेश 1, इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :--

1. श्री महेशन्द्र कमलेश श्रीवास्तव 11-4-74 (अपराह्न)
2. श्री नागेन्द्र नाथ तिवारी 11-4-74
3. श्री गुरुचरन सिंह 17-4-74

यू० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1974

सं० ई० बी० आई०/8-312/73-74/180---महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री विप्रश्न क्रिस्टकर को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 20-6-74 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० आई०/8-312/73-74/184—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जि अनजनेन्द्र सेरया को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 26-6-74 के अपग्रहण से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० आई०/8-312/73-74/188—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डि हनुमन्त राव को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 29-6-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० नागराजन
लेखा अधिकारी (प्रशासन)
महायक महालेखाकार (प्रशासन)
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक,
नई दिल्ली-22, दिनांक 6 जुलाई 1974

सं० 18239/प्रशा०-2—राष्ट्रपति खेदपूर्वक श्री एन० एस० नारायणन्, रक्षा लेखा उप नियंत्रक (नौसेना) विशाखा-पटनम् की 25 मई 1974 को मृत्यु की घोषणा करते हैं तदनुमार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नकरी में 26 मई 1974 (पूर्वाह्न) से काटा जाता है।

सी० बी० नागेन्द्र
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात सथा नियर्यात व्यापार नियंत्रण
नई दिल्ली, दिनांक जून 1974

सं० 6/505/58-प्रशा० (राज०) 1—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी श्री आर० के० घोष को 13-5-1974 के पूर्वाह्न से 29-6-1974 के अपग्रहण तक की अवधि के लिए उसी सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री आर० के० घोष को पूर्वाह्न अवधि के लिए इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 2222 (एम० ए० के०)/19 प०—श्री सईद अहमद खा को महायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900/- रु० के वेतनमान में प्रस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश दिए जाने तक 14-2-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2503 (IV) प०/19-बी०—राष्ट्रपति सहर्ष भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (कर्निट) श्री के० एम० दास को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-50-1250 रु० के वेतनमान में, स्थानापन क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 13-5-1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

सी० करुणाकरन
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1974

सं० 5(15)/62-एस-एक—श्री एम० आर० कुलकर्णी, कार्यक्रम निष्पादक, बम्बई सेवा में निवृत्ति की आयु पर पहुंचने पर 31 मई, 1974 की अपग्रहण से नौकरी से रिटायर हो गए।

दिनांक 5 जुलाई 1974

सं० 3(19)/68-एस-एक—श्री जी० एन० पाण्डे, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, भोपाल, जिन्हे 4 मार्च, 1974 से 30 अप्रैल, 1974 तक की छुट्टी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के रूप में मंजूर की गई थी, उस छुट्टी के ममान्त होने पर 30 अप्रैल, 1974 (अपग्रहण) को सेवा से रिटायर हो गए।

सं० 6(61)/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आर० डी० भाटिया, प्रमारण निष्पादक, आकाशवाणी, चण्डीगढ़ को छुट्टी पर गए श्री एम० के० शर्मा, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, चण्डीगढ़ के स्थान पर स्थानापन रूप में उसी केन्द्र पर कार्यक्रम निष्पादक के रूप में कार्य करने के लिए 1 फरवरी, 1974 से 30 मार्च, 1974 तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल
प्रशासन उप-निदेशक
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 16-4/74-एम०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भडार, करनाल के महायक अधीक्षक

श्री सोहन लाल को 26 जून, 1974 पूर्वाह्नि से और आगामी अदिवेशों, तक चिकित्सा सामग्री संगठन के आपाती उप-भण्डार, नई दिल्ली में सहायक भण्डार प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

पी० सी० कपूर
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 29-30/74-मी० एच० एम०-1—डा० दीपाकर बनर्जी ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन 13 मई, 1974 को अपराह्नि में तदर्थ आधार पर चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 29-25/74-सी० एच० एम०-1—डा० आशिष चन्द्र रे ने 14 मई, 1974 को अपराह्नि में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

जी० पंचापकेशन
उपनिदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 16 जून 1974

सं० पी० ए०/81(27)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री सोनाजी डागडू भरांवे, एक अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(59)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री डोमिनिक लुइम फोसेका, एक स्थाई सहायक फोरमैन और अस्थाई फोरमैन को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 मई 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड-एम० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1974

सं० पी० ए०/81(55)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री चिना हरण गय, एक अस्थाई पर्यवेक्षक (सिविल) को इसी अनुसंधान केन्द्र में फरवरी, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1974

सं० पी० ए०/73 (13)/68-आर०-4/74-iii—इस अनुसंधान केन्द्र की अधिसूचना न० पी० ए०/722आर०-4 दिनांक

2 अगस्त, 1972 के क्रम में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में श्री रमेश चंद्र भगवानदास अरोरा, अंशकालिक आधार पर अस्थायी रूप से एक भौतिक चिकित्सा के नियुक्ति काल को 1 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्नि से 31 मार्च, 1975 (अपराह्न) तक के लिए बढ़ाते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/68-आर०-4/74-(ii)—इस अनुसंधान केन्द्र की अधिसूचना सं० पी० ए०/73(13)/68-आर०-4 दिनांक 12 जुलाई, 1972 के क्रम में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के डा० कीर्तिकुमार लक्ष्मीचन्द्र शाह, अंशकालिक आधार पर ई० एन० टी० भर्जन के नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्नि से 31 मार्च, 1975 (अपराह्न) तक के लिए बढ़ाते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/68-आर०-4/74-i—इस अनुसंधान केन्द्र की अधिसूचना सं० पी० ए०/क०/1732-4 दिनांक 26, 1972 के क्रम में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस अनुसंधान केन्द्र में कुमारी कल्पना दत्तात्रैय खनपूरकर, अंशकालिक आधार पर एक भौतिक चिकित्सक के नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्नि से 31 मार्च, 1975 (अपराह्न) तक के लिए बढ़ाते हैं।

दिनांक 22 जून, 1974

सं० पी० ए०/81(45)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री राम अद्यर बेकट सुब्रमण्यम, एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(54)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री दत्तात्रैय माली, एक स्थाई ड्राफ्टसेन्सी सी को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(54)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री प्रह्लादकृष्ण चन्द्र कृपलानी, एक स्थायी पर्यवेक्षक (सिविल) को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(50)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री शांति प्रकाश चक्रबोर्ती, एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक 'बी' और एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्नि से, आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जून, 1974

सं० पी० ए०/81(46)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री चार्द्रकान्त गोविन्द जाधव,

एक स्थाई ड्राफ्टमैन-बी और अस्थाई ड्राफ्टमैन-सी को हसी अनुसन्धान केन्द्र में 1 फरवरी 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उम्मीदवाला, उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 30 मई, 1974

सं० पी०पी० ई० डी०/3(89)/74/प्रशासन-5798/745—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के उप-निदेशक एन्टद्वारा रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर—ग्रेड एम० बी० श्री ओकार सिंह को इस प्रभाग में उसी पद पर 3 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

आर० जे० भाटिया,
प्रशासन अधिकारी,
कृते उप-निदेशक

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपकम, दिनांक 3 मई, 1974

सं० आर० आर० सी०-II-13 (9)/73-9354/851—रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी नक्शानवीस 'बी' तथा रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के स्थानापन्न नक्शानवीस 'सी' श्री राजन्द्र कुमार मल्ल को 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी (एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

एन० स्वामीनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत् प्राधिकरण

(केन्द्रीय कार्यालय)

बम्बई-400 039, दिनांक 13 जून, 1974

सं० ए० पी०ए०/प्रशासन/1/29/73/854—परमाणु विद्युत् प्राधिकरण के अध्यक्ष-एवं-मुख्य कार्यपालक, डाक तथा तार विभाग के महालेखाकार के कार्यालय के स्थायी एम०ए०ए०म० लेखाकार श्री के० एम० रंगनाथन, जो तारापुर परमाणु विज्ञानीघर में लेखा-अधिकारी-III के पद पर कार्य कर रहे हैं, को 21 मई, 1973 से उसी परियोजना में मौलिक रूप से लेखा-अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जून, 1974

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/1623/73/855—श्री एस० कृष्णन ने तारापुर परमाणु विज्ञानीघर में प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार त्यागने के बाद, परमाणु विद्युत् प्राधिकरण के

बम्बई स्थित केन्द्रीय कार्यालय में 27 मई, 1974 के पूर्वाह्न से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

आर० बीरा० राघवन, प्रशासन अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक जून, 1974

सं० डी०/469/लेखा/स्थापना-III—नियन्त्रक, भाभा परमाणु, अनुसन्धान केन्द्र, श्री केलिक्स डिपोज़ा, एक स्थाई सहायक लेखाकार को 4 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्न से 1 जून, 1974 के अपराह्न तक श्री एम० जोशी, सहायक लेखाधिकारी, जिन्हें छुट्टी मंजूर की गई है, के स्थान पर इस अनुसन्धान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० जे० जोसेफ, उप स्थापना अधिकारी

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई, 1974

सं० ए०-32013/3/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एच० ओ० मिशेल, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को 9 अप्रैल, 1974 पूर्वाह्न से नागर विमानन महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 जुलाई, 1974

सं० ए०-32014/3/73-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तकनीकी सहायक को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्थेशन
----------	-----	-------------------	---------------

श्री

1. एम० एल० डे	24-5-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक स्टेशन	संचार कलकत्ता।
2. श्री ए० के० डे	5-3-74 (अपराह्न)	वैमानिक स्टेशन	अगरतला।
3. श्री डी० सी०	15-4-74 (पूर्वाह्न)	कार्यालय म० नि० डबगोतरा	ना० वि०

सुधाकर गुप्ता, महायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई, 1974

सं० ए०-22012/3/74-ई० (एच)—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० तुली को श्री बी० के० बाजपेयी, सहायक निदेशक (अभियान करार एवं विधान) की 21 जून, 1974 से 20 जुलाई, 1974 तक बढ़ाई गई छुट्टी रिक्ति गे तदर्थ आधार

नागर विभानन विभाग में सहायक निदेशक (अभिसमय, करार एवं विधान) के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विभानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3 दिनांक 6 जुलाई, 1974

सं० ई० (1) 07118—वैधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वैधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री फकीर चन्द्र, व्यवसायिक सहायक को 15 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री फकीर चन्द्र, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वैधशालाओं के महानिदेशक, के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली, में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04185—वैधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अधीन मौसम केन्द्र, लखनऊ के श्री ए० सी० पाल, व्यवसायिक सहायक, को 30 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सी० पाल, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

नूतन दास, मौसम विशेषज्ञ,
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1974

सं० 1/330/74-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के सहायक पर्यवेक्षक श्री डी० एस० पेण्डसे को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 2-4-1974 से लेकर 31-5-1974 (दोनों दिन ममत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एम० कृष्णन्नामी, प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक।

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल संधि)

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 जुलाई, 1974

सं० क-12017/1/72-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा०-5, दिनांक 7-11-73 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री

टी० पी० यानन को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पूना में सहायक अनुसन्धान अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में, पुनः 1-1-74 से 21-1-74 तक की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० क 19012/342/72 प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० यनन, वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक (गणित) को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धानशाला, पूना में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (वैज्ञानिक गणित युप) के ग्रेड में स्थानापन्न हैसियत से 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में 11-3-1974 के पूर्वाह्न से उस अवधि तक जो छः मास में अधिक न हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क 12017/1/72 प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना संघ्या क 12017/1/72 प्रशा०-5 दिनांक 27-3-74 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसन्धान सहायकों को सहायक अनुसन्धान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायन युप) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल संधि) में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित व्यक्ति कार्यभार सम्भाल ले, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:—

सर्वे श्री

- | | |
|---------------------|-------------------|
| 1. एम० भौमिक | 1-4-74 से 30-6-74 |
| 2. एम० पी० नम्बूदरी | 1-4-74 से 30-6-74 |
| 3. एस० ए० बाशा | 1-4-74 से 30-6-74 |

के० पी० बी० मेनन, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना कम्पनी अधिनियम 1956 और कस्सवा इन्डस्ट्रीयल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के विषय में

एरनाकुलम, दिनांक 5 जुलाई, 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और कस्सवा इन्डस्ट्रीयल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी०पी० 19 की 1973 में केरल में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 11-2-74 के आदेश द्वारा कस्सवा इन्डस्ट्रीयल प्रोडक्ट्स लिमिटेड का परिमापन करने का आदेश दिया गया है।

पी० एम० अनवर,
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार,
केरल

प्रस्तुत आई० डी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मई, 1974

निदेश मं० मि० आर० 62/1811-ए०/73-74—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जगह नं० 88 और 89 (पराना 101)
है, जो मरिमुनियश्ल लेन, नगरथपेट, बंगलूर-2 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व यें कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० कृष्णाजी राय, न० ९५६, शेरम्बान लेन, नगर थपेट क्राम, बंगलूर-2 (अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार पत्र पुख्तगज II फ्लोर, डी० एस० मार्केट, डी० एम० लेन, चिकिंठ बंगलूर-2 (अन्तर्गत)

को यह सूचना जागी न.रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिधारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 88 और 89 (पराना नं० 101), मरिमुनियश्ल लेन, नगरथपेट, बंगलूर-2

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-5-1974

मोहर :

प्र० आर० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269(घ)(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 मई 74

निदेश सं० मि० आर० 62/1911/73-74—यतः
मझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० मकान नं० 8 (पहली मंजिल) है, जो IV क्राम, विलसन
गार्डन, बैंगलूर-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जयनगर
बैंगलूर-11 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन एफ० ई० 15-11-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-
कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या अनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत् :—

1. ३८८ टी० एन० आर० सीतम्मा W/O दिवनगत टी० एन०

रामस्वामी श्रवणनगर, 246, 37-ए० क्र० स० IX ब्लॉक ज० ४८८, बैंगलूर-11
(अन्तरक)

2. श्री आर० पी० एम० सुलमनि पुत्र आर० पी० मुनिस्वामप्पा
नं० 25, अनजनप्पा अग्रहार, चामगजपेट, बैंगलूर-18
(अन्तरिती)

3. तल्लन्की मुनियश्मा किनगप्पा कारिटीस श्री टी० एल०
वेनकटरामप्पा सेट्री प्रबन्ध न्यासी, नं० 204, नगरथपेट, बैंगलूर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8 (पहली मंजिल) IV क्राम, विलसन गार्डन,
बैंगलूर-27।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 24-5-1974

मोहर :

प्राप्त आर्द० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, बंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 मई 1974

निर्देश सं० मि० आर० 62/1912/73-74/ए० सी०क्य०
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 8 (ग्रौन्ड फ्लोर) है, जो IV श्राम,
विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 में स्थित है (और इसपे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जय नगर बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन एफ०ई० दिनांक 15-11-
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्द्द ह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:—

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2—156GI/74

1. श्रीमती के० ललिता वाई पत्नी एन० कुप्पु स्वामी नं० 8,
IV श्राम, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 । (अन्तरक)

2. श्री यार० पी० एम० मुद्रमनि नं० 25, अप्पाजप्पा
श्रवारा, चामराजपेट बैंगलूर-18 (अन्तरिती)

3. श्री इलान्नी मनिथम्मा निनग्या कार्टिम-श्री टी०
एन० वेन्कटगम्या सेनेट्री प्रबन्ध न्यासी, नं० 204, नगर थपेट,
बैंगलूर-2 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8 (ग्रौन्ड फ्लोर), IV श्राम, विलसन गार्डन्स,
बैंगलूर-27 ।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज बैंगलूर

तारीख : 24-5-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 मई 1974

निदेश स० सि० आर० 62/1885/73-74/ए० सी० क्य०
(बी०) — यतः मुझे आर० हृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 35/13, 6 कास, है, जो विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर-11 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ई० एफ० 15-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नी एम० वरदापा नायडु नं० 76,
श्रद्धानन्द भवन रोड, बैंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री के० मुनिस्वामप्पा पुत्र कोन्ऱप्पा, हरपनहल्ली, जिगनी
पोस्ट, अनेकल द्वालुक, बैंगलूर पिला। (अन्तरिती)

3. कर्नाटक एलक्ट्रोनिक्स बोर्ड (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में मंपति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावर:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 35/13, IV कास, विलसन गार्डन,
आर० हृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-5-1974
मोहर :

प्रसूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० 43/अर्जन/150/मूल्यांकन/कानपुर/73-74—
यतः, मुझे सी० एस० पाण्डेय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है। और जिसकी सं० 3/79 है जो विश्वास कानपुर में रिथ है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-10-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी थाय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पश्चवन्त भास्कर घरे, गांधी भवन, प्लाट नं० 45, 15वां रोड, चैम्बर बम्बई-71। (अन्तरक)

2. श्री प्यारेलाल भारतीय, 58/44, विहानारोड कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

मकान सम्पत्ति नं० 3/79, विश्वास कानपुर।

सी० एम० पाण्डेय,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-5-1974

मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1974

निर्देश स० सी० ए० 5/अब्दूद्वार/73/कागल/121/74-75
यत—, मुझे, जी० कृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु से अधिक है और जिसकी स० म्युनिसिपल श्रमाक 860 आर० एम० क० 573/1 और 2 है, जो मुरगुड ता० कागल, जि० कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कागल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-73 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिंग सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्मरण मे, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) यी धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री (1) श्रीमत जर्यासिगराव पिराजीगव धाटगे, सर्जेशव बजारतमा आबागजे साहेब वागलहाड़स कागल सिनीयर जिला कोल्हापुर

(2) श्री श्रीमत विक्रमसिंह जर्यासिगराव धाटगे, मर्जेराव कागल हाड़स, कागल जि० कोल्हापुर उपर दोनों के लिए पावर ऑफ ऑर्टर्नी श्री शकरराव ज्ञानोवा जाधव कागल, तहसील कागल, जि० कोल्हापुर। (अन्तरक)

2 श्री सजय गोपीनाथ धारीया अज्ञान गार्डीयन उसके पिता श्री गोपीनाथ माणिकचंद धारिया निपानी ता० चिकोडी। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

घर और खुली जगह, मुरगुड गावमे तहसील कागल जि० कोल्हापुर म्युनिसिपल श्रमाक 860 आर० एस०, क० 573/1 और 2 क्षेत्र 6855 स्के — यार्ड्स, फी होल्ड।

जी० कृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 7-6-1974
मोहर .

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II इलाहबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून, 1974

निवेश मं० 96/प० सी० क्य०-23-167/19-7/73-74/—
यतः, मुझे, पी० एन० मिनल आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और
जिसकी सं० 13 सर्वे नं० 42 पैकी मु० वार्ड नं० 13 नोंध नं० 328
प्लॉट 17 है, जो अठवां, सूरत में स्थित है (आर इसमें उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961
(1908 का 16) के अधीन 22 अक्टूबर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अन्तरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) श्री मोहन रामललू भाई दानवाला योगेश शांती-
लाल दानवाला अरणकुमार शांतीलाल दानवाला (अन्तरक)

(2) श्री मधुकर शांतिलाल दानवाला (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा रखेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति हम सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव अठवाता० चोरामी जिला-सूरत में स्थित जमीन-म०
वार्ड न० 13 नोंध न० 328 प्लॉट न० 17 सर्वे० न० 42 पैकी
कुल माप 552 वर्ग गज है जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख न० 3698,
अक्टूबर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा
है।

पी० एन० मित्तल,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1974

मोहर :

प्रूष आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1974

निवेश स० आर० ए० मी० 13/74-75—यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 1-8-53/1 चिकित्सा ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्षुत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कोडाली नागेश्वर राव पुत्र रामचन्द्रय्या
- (2) कोडाली रामचन्द्रप्रसाद पुत्र के० नागेश्वर राव

(3) के० मल्लीकार्जुन राव पुत्र के० नागेश्वर राव (अन्तरक)

अवस्थक, पालक पिता श्री के० नागेश्वर राव नं० 8-1-363 टोली चौकी, हैदराबाद।

2. (1) के० रामच्या गोड़ (2) के० बीरा गोड़ और

(3) के० नरसिंहा। नं० 7/1/363 बकलमपैट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा वार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त माडों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति :—नं० 1-8-53/1 चिकित्सा पल्ली हैदराबाद, क्षेत्रफल 723 वर्ग गज।

एस० बाल सुब्रमण्यम्
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 जून 1974

मोहर :

प्रस्तुत आईटी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1974

निर्देश सं० आर० ए० सी० 15/74-75—यत., मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-524/12/1 और 2 चिकड़ पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोवूरी शत्रुघ्न्या पुत्र आनंदया पास्ट कुचीपुड़ी, तैनाली तालूका, गुंटूर जिला (अन्तरक)

2. श्री पोडनुरी नरसिंहा राव पुत्र लिंग्या यावगिरी गुट्टा भोजा, मोतगीर तालूका, नलुंगुड़ा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति :—मकान नं० 1-8-524/12 तथा 5-8-524/12/1
और 2 चिकड़ पल्ली, हैदराबाद।

(एस० बाल सुब्रमण्यम्)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 जून, 1974
मोहर :

प्राप्ति नं० १२०, १८८० परा २०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1974

निर्देश नं० आर० प० सी० 14/74-75:-यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प के प्रधीन गश्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-524/11/1 से 3 चिकड़ पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री गोडूरी गोपाल शार्दूल पु. गमया, अनुसूची मोहा ननाना तान० ११, गुदूर जिला। (अन्तरक)

२ श्री गोडूरी लिंगया पुत्र राचया, (२) पोडूरी नरसिंहा राव पुत्र लिंगया वादिगिरे गुट्टा, भोतगोर तलूका। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाग्रिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति :—नं० १-८-५२४/११/१ ना० ३ तथा १-८-५२४/१२/१ और २ चिकड़ पल्ली, हैदराबाद।

(एस० बाल सुब्रमण्यम्),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 13 जून, 1974
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1974

निर्देश स० ए० सि०-७८/आर०-IV/कल० ७४-७५:—यत्, मझे, जर्ज वर्गिस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपय से अधिक है और जिसकी सं० 593 है, जो लेक टाउन, थाना-दमदम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24 परगना, ग्रामपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—156GI/74

1. शंकर राय चौधरी, 12 प०, महिम हौलदार स्ट्रीट,
कलकत्ता-26 (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिमा राय चौधरी, 18/2 व्यु स्थिन हो स्ट्रीट,
थाना-बालिङ्गं। (अन्तरिती)

3 श्री शीबनाथ भद्र, 593, लेक टाउन, थाना-दमदम।

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में संपत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक व्यापारिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

593 लेक टाउन, मौजा —पातियुकुर, थाना—दमदम, दाग—339, स्कीम प्लट सं०—236 और उस पर तिन तल्ला पक्का बिल्डिंग।

जर्ज वर्गिस,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख: 10 जून, 1974
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 11 जून 1974

निर्देश मं० 960/74-75—यतः, मझे, ए० रागबेन्द्र राव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 7 ए० है, जो फोर्ड स्ट्रीट, रटलण्ड गेट मद्रास-6 में स्थित है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर मी० आर० आर० पिल्लै, 7ए०, फोर्ड स्ट्रीट, रटलण्ड गेट, मद्रास-6।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलिजातुल कुबरा, 7-बी०, खादर नवा जखान रोड, मद्रास-6।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुमादाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, रटलण्ड गेट, फोर्ड स्ट्रीट, डोर सं०-7ए० में 4 ग्राउण्ड और 600 स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका आर० एस० सं० 58/48(भाग)।

ए० रागबेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11 जून, 1974
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून, 1974

निदेश सं 2072/73-74.—यतः, मझे, प्र० रागवेन्द्र
राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं डोर सं ७/२७ यल जेयिल, कोयम्बटूर
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 8
प्रक्रिया, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक
(अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तर्राष्ट्र से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पांडों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याधी शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारिति:—

(1) श्री के० आर० एम० आर० एम० कुमार चेटियार,
29, डी० बी० रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बटूर (अन्तर्क)

(2) श्री पि० गोविंदराजू और पि० कुमुखामि, पार्क, स्ट्रीट
काटडूर, कोयम्बटूर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शालू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिख्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सूचनाएँ के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसाखी

कोयम्बटूर जेलिल रोड, डोर सं० 9/27 में 15 सेण्ट का भग्नि (सकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 127 में गाक भाग।

प्र० रामबेन्द्र राव,
मक्षम प्राधिकारी
र आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

सारीख : 11 जून, 1974

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून, 1974

निवेश सं० 2092/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राध, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० सं० 121 ए 1-सी० और० 1ए०, लोयर क्षेकालमुड़ि एस्टेट, आनमलै हिल्स पोलाचि तालका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ओल्ड, कसटम हाउस, फोटो बाम्बे में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सिंह सिंह मोहम्मद कासिम, तमिल नाडु ट्रेडिंग कम्पनी, चालकुड़ि, केरला स्टेट (अन्तरक)

(2) मौण्ड स्टुअ्रेट टी एस्टेट 64, नियु बरडान लेन, बाम्बे-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमिल नाडु, कोयम्बटूर जीला, पोल्लाचि तालुका, आनमलै हिल्स गांव, ब्लाक सं० 24 और 4, सर्वे० सं० 12/1ए० 1-सी० 1-ए० में 142.38 एकर का भूमि (खेत, हतियार, मकान इयावि के स्थान)

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 11 जून 1974
मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जून 1974

निर्देश सं० ए० मी० 20/रेन्ज-II/कल/74-65—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० 1, जो कि सम्पत्ति न० 18 ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता का एक भाग है, है, जो 18 ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐसोरेन्सेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 23-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

टी० अलुमिनियम कोरपोरेशन आफ इन्डिया लिमिटेड, रजिस्टर्ड ऑफिस, न० 6, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)

बंगाल एण्ड आसाम इन्वेस्टर्स लिमिटेड, रजिस्टर्ड ऑफिस, न० 7, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

सम्पत्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 18 ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता का भाग का, जो कि प्लाट न० 1 है और 18 कट्टास 3 छटकास, 83 वर्गफीट नाप का है और जिसमें कुछ मौससी भूमि है और कुछ लगान मुक्त भूमि है, प्रत्येक भाग प्रथमा हिस्सा मय बनावट (नीचली मंजिल पर बनावट जिसकी नाप 1288 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II पी०-13, चौरंगी, स्क्वायर, कलकत्ता-1

तारीख : 26-5-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जून 1974

निर्देश नं० ए० सी० 21/आर०-11/कल/74-75—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० प्लाट नं० 4, जो कि मम्पत्ति नं० 18 बी०, अलीपुर रोड, कलकत्ता का एक भाग है, जो 18 बी० अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 23-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्ट्राव प्रोडक्ट्स लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस जैकेपुर, रामगढ़, डिस्ट्रीक्ट कोरपुट, उडीसा (अन्तरक)।

2. नवभारत वाइज़िय लिमिटेड रजिस्टर्ड आफिस, न० 7 कौसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 कट्टास, 6 छटकास, 28 वर्गफीट भूमि का, जो कि प्लाट नं० 4 है और सम्पत्ति नं० 18 बी०, अलीपुर रोड, कलकत्ता का एक भाग है, जिसमें कुछ भौतिकी मुकारी और कुछ लगान मुक्त भूमि है, समस्त भाग प्रशास द्वारा हिस्सा है।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता-1

तारीख : 25-6-74]

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जुलाई 1974

निर्देश सं० ए० सी० 18/शार०-II/कलकत्ता/74-75—
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है और
जिसकी सं० प्लाट नं० 3 जो 18-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता
का अंग है जो 18-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और
इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफएपुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
23-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दि प्लुमिनीयम कोर्पोरेशन आफ इंडिया लि० रेजिस्ट्रेड
आफिस-7, कौन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)

नव भारत वाणिज्य लि० रेजिस्ट्रेड आफिस-7, कौन्सिल
हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 18 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता का एक हिस्सा,
जिसका प्लाट नं० 3 है, 12 कहास 11 छोटाकस व 1 वर्गफट कुछ
मोर्सी मुकरेरी और कुछ लगान मुक्त भूमि का समस्त टुकड़ा अथवा
भाग।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II कलकत्ता-1

तारीख : 3-7-1974

मोहर :

प्रख्या आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

प्रज्ञन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 25 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी०-१७/आर०-II/कलकत्ता/७४-७५—
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी
को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी प्लाट सं० ४८, जो १८-वि, आलिपुर रोड, कलकत्ता
का अंश है जो १८-वि, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन २३-१०-७३
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
बायाय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही सुकर करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, भी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. स्ट्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड, रेजिस्ट्रेड आफिस-जेकेपुर,
रायगढ़ा, जिला कोरापुट, उडीसा । (अन्तरक) ।

2. नव भारत वाणिज्य लि०, रेजिस्ट्रेड आफिस-७, कौन्सिल
हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की सुनवाई से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० १८ वी, आलीपुर रोड, कलकत्ता का एक हिस्सा
की, जिसका प्लाट नं० ४८ है, ६ कट्टास, ८ छट्टास, ७ वर्गफीट कुछ
मील्सी मुकरेरी और कुछ रभगान मुक्त भूमि का समस्त टुकड़ा
अथवा भाग ।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-II कलकत्ता-१

तारीख: 25-6-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 4 जुलाई 1974

निर्देश सं० दि० अम-1456/सी० 306/
कम-I /73-74— यतः मुझे ए० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 4 बी, है, जो ज्याक्सन थेन, कलकत्ता, में स्थित
है और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स 5 गवरमेंट
प्रेस नवी कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डहू प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—156GI/74

1 श्री प्रकाश चन्द्र बोथरा (अन्तरक)।

2 श्री मुश्तुलाल बारी (अन्तरिती)।

मोल्ला सरयुत [हक वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है]।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लालिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 6 फट्टा 3 छुटाक 42 फोयम फीट, जामन पर एक सकान जो 40, ज्याक्सन, लेन में अब्रधित है।

एस० क० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 4-7-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

श्रीराम रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जन 1974

निर्देश सं० ए० सी० 25/प्रार०-II/कल/ 74-75-यतः मुझे
एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43)की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति
न० 8 ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता 11 के न० फलदे है, जो 8 ए,
अलीपुर रोड, कलकत्ता-1 में स्थित है रजिस्ट्रार औफ एसोरेन्सेज
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, कलकत्ता में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती प्रारंभिक प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सकर बनाना;

श्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारी भरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमति कमला जिडाल, ८ ए, अलीपर रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक ।

श्रीमति शारदा देवी नांतिया ८ ए, अलीपर रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरिक्षी) ।

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को बी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सन्धार्ह के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रधारिभावित हैं, वही शब्द होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ଅମ୍ବାଳୀ

सम्पति नं० ८ ए, अरसीपुर रोड, कलकत्ता के सप्तमी मंजिल पर
फलेत नं० ११ का आधा हिस्सा ।

एस० के० घुक्कवर्सी

संख्या १०

सहायक आयुकर आयुष्मा (निरुक्षण)

पर्वत रेखा ॥

पी०-१३ चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता-१

तारीख : 20-6-1974

मोहर : ३

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० सी० 24/आर०-II/कल/74-75—यतः,
मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति न० 8 ए० आलीपुर रोड, कलकत्ता के
11 न० फ्लैट है, जो 8 ए०, आलीपुर रोड, कलकत्ता-1 मैं स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनंतरकी मैं और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार अब, एसुरेंस कलकत्ता,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-10-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ यापाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिय अर्थात् :—

श्रीमती कमला जिडाल, 8 ए०, आलीपुर रोड, कलकत्ता,
(अन्तरक) ।

श्रीमति गिर्मी देवी नानिया, 8 ए०, आलीपुर रोड, कलकत्ता,
(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मैं हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मैं किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मैं किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को ढी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मैं व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मैं दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 8 ए०, आलीपुर रोड, कलकत्ता के सफामी मंजिल पर फ्लैट न० 11 का आधा हिस्सा। (अनंतरकी)

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, II कलकत्ता-1

तारीख : 27-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी० 23/र-II/कल/74-75—यतः,
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं० है, जो 8 ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्णा प्रधिकारी के कार्यालय सब रेजीस्ट्रार आफ एस्योरेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-10-1973। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वर्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये,

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेसीनो देकनो (सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, 33, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

श्री अभाराम केजिंग्याल 29/1, साहू रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता स्थित 3 मंजिल पर एक फ्लैट की जगह जोकि लगभग 1342 बर्ग फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
पी० 13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता ।

तारीख : 25-6-1974

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 25 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी०=१६/आर-II/कलकत्ता/७४-७५—
यतः, मझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी स० खनिया न० 22 और 6 दाग न० 60, 61, 83 से 93 तक है, जो मौजा-सिरिया बेरिया, थाना, सालानपुर, जिला-बद्मान में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफ एशोरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 डा० गोपाल चन्द्र सेन, मन्कटोरिया थाना-कुल्टी, जिला-बद्मान।

2. श्रीमती सुधारानी देवी, 146, राशा बिहारी एवन्यू, कलकत्ता ।

3. श्रीमती कल्याणी भट्टाचार्या, 8 मी-इकड़ालिया रोड, कलकत्ता ।

4. श्रीमती बीना भौमिक, 40/7, गरियाहाट रोड साऊथ, कलकत्ता ।

5. श्रीमती सुधा दास, 17-ग, इकड़ालिया रोड, कलकत्ता ।

6. श्री नलिनीकान्त बोस, 40/7-गरियाहाट रोड साऊथ, कलकत्ता ।

7. श्री मूकुल राय, 57 बी, न्यू आलिपूर, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनिल कुमार सरकार, मानेजिंग डायरेक्टर, मेसरस रूपनारायणपर रिफ्रेक्ट्रीज एण्ड सिरामिक्स प्राइवेट लिंग, 5, दिमाल, कलकत्ता-28। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकरणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतीयान न० 22 और 6, दाग न० 60, 61, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, भूमि नाप 35 बीघा व 2 कट्टास, वाकै मौजा सीरी सरेरिया, थाना सालानपुर जिला बद्मान।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II—

पि०-१३, चौरागी स्कोयर, कलकत्ता-१

तारीख : 25-6-1974

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 27 जून 1974

निर्देश सं० ए० मी०-१९/आर०-II/कलकत्ता/७४-७५—
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्लाट नं० 2 जो 18-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता का
श्रंग है जो 18-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एष्युरेन्स, कलकत्ता में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के
अधीन 23-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

दि गलुमिनीयम कोरपोरेशन आफ इंडिया नि० रजिस्टर्ड
आफिस-7 न, कीन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता। (ग्रन्तरक)।

जे० के० एलोयम नि०, रजिस्टर्ड आफिस 7 न० कीन्सिल
हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता। (ग्रन्तरक्ती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 18 ए, अलीपुर नोड, कलकत्ता का एक हिस्सा की
जिसका प्लाट न० 2 है, 16 कटुम 4 दृटाकंस 31 वर्गफीट कुछ
मौरुसी मुकरेरी और कुछ लगान मुक्त भूमि का समस्त टुकड़ा
श्रवणा भाग।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज II पि०-१३, चोरंगी स्कोयर कलकत्ता।

तारीख : 27-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षीण

अर्जन रेंज II लखनऊ

लखनऊ दिनांक 27 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी० 22/आर०-II/कल०/74-75—यतः
मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० है, जो 8 ए. आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और
इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रर अवागृहीरेन्स में, कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के
अधीन 12-10-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेरीनो डेकनो (शेलग) प्राइवेट लिमिटेड 33, नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक) ।

श्रीमति पश्चा देवी चौधरी, 5 वी, क्लाइवघाट स्ट्रीट, कलकत्ता ।
(अन्तरिती) ।

एन०एल०, चैधुरी, वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 ए अलीपुर रोड, कलकत्ता स्थित 2 मंजिला पर एक
फ्लैट ।

एम० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
पी०-13, चौरंगी स्वारण, अर्जन रेंज II कलकत्ता-1

तारीख : 27-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1974

निर्देश सं० ए० मि० 26/आर० II /कल०/74-75—पतः,
मुझे प्रस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रौ० जिप ही मं० फनट न० है, जो 32 वि० नियु रोड, आलिपुर,
कलकत्ता मे० स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से
वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार अब
एसुरेंस, कलकत्ता, मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-
1908 का 16 के अधीन धीन 20-10-1973।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे०, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

दि. ब्रिटेनिया किम्कुट कमानी लिमिटेड 15, दागडोला रोड,
कलकत्ता-53 (अन्तरक)।

श्री रमेश दत्त, मेफेयार गारडन, लिटलर ग्रिवास रोड बोम्बे।
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे०
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों मे० से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल
मे० किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे० यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट, जिसका न० 9 है और 32 वी, न्यूरोड, आलिपुर
कलकत्ता, के 4 मंजिल पर है, मय एक मंजिल पर नौकरों का एक
कमरा तथा 2.836 कट्टास भूमि।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II

तारीख : 5-7-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

दिनांक 3 जनाई 1974

निर्देश म० सब-नजि०/इन्डौर/39-10-73—अन्, मुझे,
एम० एफ० मुर्शी आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी
स० भवा० नं० 13 गली-7 राजमोहल्ला है, जो इन्डौर
में स्थित है (ग्रौर इमास उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीबर्ता अधिकारी के वार्यालय, इन्डौर
में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-10-1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—156 GI/74

1. (1) श्री लेखराज आत्मज श्री गंगाराम जी भाटिया,
गली न० 7, राजमोहल्ला, इन्डौर (2) श्रीमती परमेश्वरीबाई
पत्नी जैनन्द जी-10, यशवत रोड, इन्डौर (अन्तरक)

2 (1) श्री पूनमचंद (2) श्री रविचंद्र आत्मज श्री चादमल
जी जैन नर्मह बाजार इन्डौर (अन्तरीनी)।

को यह सूचना जारी करके पर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्परंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाप्त हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाक मजिला मकान न० 13, गली न० 7, नार्थ राजमोहल्ला,
इन्डौर में स्थित है।

एम० एफ० मुर्शी)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 3-7-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जून 1974

निदेश सं० सब० -रिज-उज्जैन/122—अतः, मुझे एम०
एफ०, मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6/523/11 है, जो माध्य अवधि के समाने नं० 7 विश्वविद्यालय रोड उज्जैन में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मध्यीन 31 अक्टूबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दृश्य किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, धर्षतः:—

1. श्री शुश्रीरचन्द्र आरम्भ श्री जगदीश चन्द्रा भशीन
2. श्रीमती सुधरावाई पल्ली इन्द्राहीम भाई (अन्तरक) वादशाहवाजा (अन्तरिती)
4. (1) रमेश चन्द्र अग्रवाल (2) मोहन लाल शर्मा
- (3) भागीरथ सिंह गोस्वामी (4) श्री वी० आर० कोठारी
- (5) पी० के० बेनाल (6) श्री मुकरजी विश्वविद्यालय रोड उज्जैन। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 29-6-74

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जून 1974

निदेश सं० सब-रिज-भोपाल-107-अतः मुझे, एम० एफ० मुन्ही, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान काजीपुरा वार्ड नं० 9 भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन 22-10-1073 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मधुरा प्रसाद आत्मज बद्वी लाल श्रवण काजीपुरा, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द्र आत्मज श्री मधुरा प्रसाद काजीपुरा भोपाल।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री मदन नाल (2) गोविन्द प्रसाद

(3) लक्ष्मी चन्द्र काजी पुरा भोपाल।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान काजीपुरा वार्ड नं० 9 भोपाल में स्थित है।

एम० एफ० मुन्ही

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 29-6-74

भोपाल :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जून 1974

निकेश सं० सब-रिज/भोपाल/107—अतः मुझे, एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान काजीपुरा वार्ड नं० 9 भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 अक्टूबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री मधुरा प्रसाद आत्मज बड़ी लाल अग्रवाल काजीपुरा भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी श्री जगदीश प्रसाद काजी-पुरा भोपाल।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री मदन लाल

(2) श्री गोविन्द प्रसाद

(3) श्री लक्ष्मी चन्द्र काजीपुरा भोपाल।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान काजीपुरा वार्ड नं० ९ भोपाल में स्थित है।

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख :—29-6-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेंज, II

कलकत्ता-1, दिनांक 22 जून 2974

निदेश सं० ए० सी०/आर०/कलकत्ता/74-75—यतः मुझे, प्र० स० के० चक्रवर्ती प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० ८८ है, जो आलिपुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एम्युरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेमिनी टेकनो (मैन्सज प्रा० लिमिटेड, 33, नेताजी सुभाष रोड़ कलकत्ता-1।

(अन्तरक)

सारदा देवी आगरवाला 6 बी, बैन्टक स्ट्रीट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनबाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

84०, आलिपुर रोड़, कलकत्ता स्थित 9 मॉजिल पर एक फलोर की जगह जो कि लगभग 1663 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II पि-13, चारंगी स्कोर

कलकत्ता-1

तारीख:— 22-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

दिल्ली, दिनांक 11 जून 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एम० आर० 1/अर्म०-1/
888(22)/74-75/1233—यतः मुझे, डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
स्थावर सम्पत्ति, और जिसकी सं० डी० 10/3(1/2 अविभाजित
भान) है, जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 10-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश भसीन पुत्र श्री मुल्ख राज भसीन 12 एफ०
काका नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री किशोरी लाल
(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री अर्जन दास दोनों
4578 महाबीर बाजार, कलाय मार्केट दिल्ली के निवासी
(अन्तरिती)

(3) श्री अर्जन दास पुत्र श्री किशोरी लाल प्लाट नं०
डी० 10/3 माडल टाऊन, दिल्ली का उपभोक्ता
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पुर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग फी होल्ड प्लाट नं० डी० 10/3
माडल टाऊन जिसका क्षेत्रफल 28.2 वर्ग गज है तथा जो कि
निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:

उत्तर:—प्लाट नं० डी० 10/4 पर बना मकान

दक्षिण:—प्लाट नं० डी० 10/2 पर बना मकान

पूर्व:—प्लाट नं० डी० 11/3 पर बना मकान।

पश्चिम:—सड़क।

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 11 जून, 1974।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2,

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 जून 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एम० आर०-१/मार्च-११/
६२३(१३)/७४-७५/१२३३—यतः मुझे, डी० बी० लाल आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० डी० 10/3 (1/2 अविभाजित भाग) है, जो माडल
टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से श्रिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-३-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सक्षम वाहिनी शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, भौं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश भसीन पुत्र श्री मुल्य राज भसीन निवासी 12 एफ० काका नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. (1) श्री निरन्जन लाल व वेद प्रकाश पुत्रगण स्व०
श्री किशोरी लाल, निवासी, 4578 महाबीर बाजार,
कलाय मार्केट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. श्री अर्जुन दास पुत्र किशोरी श्री लाल ज्वाट नं० डी०
10/3 माडल टाऊन दिल्ली का उपभोक्ता
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि था तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग फी होल्ड ज्वाट नं. डी० 10/3
माडल टाऊन दिल्ली जिसका थेन्टफल 282 वर्ग गज है तथा जो
कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :

उत्तर :—ज्वाट नं० डी० 10/4 पर बना मकान

दक्षिण :—ज्वाट नं० डी० 10/2 पर बना मकान

पूर्व :—ज्वाट नं० डी० 11/3 पर बना मकान

पश्चिम :—सड़क ।

डी० बी० लाल

तारीख :— 11-6-74

सक्षम प्राधिकारी

मोहर :—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

श्रीमद्भाबाद, दिनांक 26 जून 1974

निर्देश मं० पी० आर०-109-ग०मी०क्य० 23-61/6-1/

73-74—यतः सुन्ने पी० एन० मित्रल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सं० न० पा० 3/555 मर्वे न० 225/1 पैकी टीका नं० 105 है, जो प्रताप नगर रोड बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती डारा प्रक्राट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जोहरा डा० मममुदीन जीवाभाई की दीकरी मोगल पाडा बड़ौदा। (अन्तरक)

2. श्री भीखाजी जयवदन मावू चोकसी घडीयाली पोल अन्तरिती बड़ौदा।

3. श्री रणछोड़लाल हरीलाल डाकर

(2) धानुमल रूपचन्द मल

(3) रमणलाल केशवलाल धोबी

(4) सुरेश नानक राम नभुलानी

(5) बाबू भाई मगनलाल स्वामी

(6) बाला माहेब गढ़ माहेब

(7) भाऊगव यशवन्तराव मस्का

(8) बानुभाई कालुभाई

(9) चेलाराम मूलचन्द

(10) रतिलाल गोरपेन भाई

(11) मै० जै० मी० चौक्सी गण्ड कं०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मै० बर्मा शेल आइल स्टोरेज गण्ड डीस्ट्रीब्यूटिंग क० आफ इण्डिया लि० बर्मा शेल हाउस बेलाई प्रस्टेट बर्म्बाई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति (जमीन और पुराना मकान) जिसका सर्वे सं० नं० 225/1 और टीका नं० 105 सं० नं० 3/555 है जो पाड़ी विभाग प्रतापनगर रोड बड़ौदा में स्थित है और जिसका कुल माप 8947 स्के० फूट है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3900 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा में लिखा है।

पी० एन० मितल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, श्रीमद्भाबाद

तारीख:—26-6-1974

मोहर:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज़, लखनऊ

दिनांक 21 जून, 1974

निर्देश सं 30-एम/एक्यू—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी संख्या 964 और 994-सी है जो, जिला—लखनऊ में स्थित है (और उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ध 16) के अधीन 13-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मूरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विवेक शरण श्रीवास्तवा (अन्तरक)

2. श्री मुम्मन मिह व अन्य (आन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान तथा कृषिक भूमि जोकि 48 बीघा है, जिला लखनऊ में स्थित है।

(के० एन० मिश्रा)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लखनऊ

तारीख: 21-6-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं० 20आर/एक्स०—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 545/634 है जो, जिला—लखनऊ में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी पूरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुधीर कुमार मिश्रा (अन्तरक)

2. श्रीमती रमादेवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत लिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फिला मकान जिसका क्षेत्रफल 4650 वर्गफुट है महानगर जिला लखनऊ में स्थित है।

(के० एन० मिश्रा),

सक्षम प्राधिकारी,

(महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 216-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०....

1 श्री नासिर अब्दीद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री शिव गुलाम व अन्य

(अन्तर्स्ती)

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं 29 एस०/एक्य०—यत्, मुझे को० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 217, 226 और 227 है जो, हजरतगज में लखनऊ स्थित है (और उसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-7-3 को पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भावत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारोंख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गत को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जमीन सहित जिसका धेत्रफल 15 बिस्वान्सी तथा 10 क्वचान्सी है, हजरतगज, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 21-6-74।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 21 जून, 1974

निवेश स० 28-एम/एसीव्य०—यत्, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी है जो, जिला—अल्मोड़ा में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अल्मोड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवायी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीश चन्द्र जोशी

2. श्रीमती सरला देवी व अन्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान तथा तीन दुकानें जिला अल्मोड़ा में स्थित है।

के० एन० मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 21-6-1974

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ,

दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं० 27-एस/अर्जन —यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या नानक शाही जो नया गाँव में स्थित है (और उसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वन्देशवरी प्रसाद (अन्तरक)

2. श्री श्री प्रकाश अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का 1/3 भाग खरीदा पर जिसकी पूरे का खेतफल इस प्रकार है। प्र० 63-5" पा० 62-3" द० 97-10 उ० 10-10 जो कि मुहल्सा नया गाँव लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 21-6-74

मोहर,

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ तारीख 21-जून-1974

निदेश संख्या 19आर/एसीक्य०—ग्रन्त 'मुझे के० एन० मिथा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी संख्या 6 है जो, चर्चेलेन हाउर्सिंग में स्कीम, इलाहाबाद
स्थित है (और उसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-11-73

के अधीन 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विद्यु शेखर जोशी मुख्ताराम श्री रामकृष्ण (अन्तर्गत)
जोशी व अन्य (अन्तरित)

2. श्री रामबहादुर सिंह व अन्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में प्रयोगरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० ६ चर्चेलेन हाउर्सिंग स्कीम, इलाहाबाद
में स्थित है।

के० एन० मिथा,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 21-6-1974

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ तारीख 21-जून-74

निवेश संख्या 17पी/अर्जन—यतः मुझे के० एन० मिश्रा
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खंड के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक
और जिसकी संख्या नामक ग्राही है जो नया गाँव में स्थित है (और
उसमें उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-73 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन बर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री विन्देशवरो प्रसाद (अन्तरक)
2. श्री प्रेम नाथ अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो, ...

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक किता मकान का 1/3 भाग खरीदा है पर पूरे मकान का
क्षेत्रफल इस प्रकार है।

प्र० 63-5 “पा० 62-3” द० 97-10 उ० 16-10” जो कि
कि मुहूला नया गाँव लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 21-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ तारीख 21-जून-1974

निदेश सं० 6 एच/एसीक्यू—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक जो, जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और उसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सविता पाल (अन्तरक)
2. श्रीमती हरत पारी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 402 वर्ग गज है, मोहल्ला कैलाश घटी जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-6-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 266 घ- (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं० 24वी/एसीक्य०:—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जो, ग्राम धोड़ा खेड़ा जिला—नैनीताल में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय हलड़ानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती तुलसी देवी (अन्तरक)
 2. श्री बलवन्त मिहू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषिक भूमि 43 बीघा 16 बिस्वा तथा एक मकान ग्राम धोड़ा खेड़ा—जिला नैनीताल में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-6-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 21 जून, 1974

निदेश स० 21ए/एसीक्य० --यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि कारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या सी०-7/34-ए है जो सन्तकबीर रोड में स्थित है (और उससे उपादान अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केवल मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मुकन्द लाल मुशी (अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान न० सी०-7/34-ए नं सन्त कबीर रोड, जिला वाराणसी में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 21-6-1974

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस० —————
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, घण्डीगढ़ सख्तनउ
लखनऊ दिनांक 21 जून 1974

निदेश स० 23एम०/एकवी०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक श्रावकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० — है जो, खुर्जा—जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय खुर्जा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विद्यावती देवी (अन्तरक)

2. श्री मूलचन्द्र अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला जोकि पुराना बाजार खुर्जा जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 21-6-1974

मोहर:

प्रूप शाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जून, 1974

निवेश स० 24एम०/एक्वी०—यह, मुझे, के० एन० मिश्रा
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 53 है जो, जिला—लखनऊ में स्थित है (और
उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्रभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ता कुमारी सिंह (अन्तरक)
2. श्री महेन्द्र कुमार मेहरोला (अन्तरि ०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील होती है, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो आय-
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क, में व्यापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 3750 वर्ग फुट है, जिला
लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-6-1974
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं० 5 एन/प्रीष्य०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०—है जो, मोहन्ला चिम्मन, चान्दपुर—जिला—विजनौर में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चान्दपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिशन सिंह

2. श्री नाथा राम

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा वह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दुकानों के साथ जिसका क्षेत्रफल 245 वर्गमीटर है—मोहन्ला—चिम्मन, चान्दपुर, जिला—विजनौर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 21-6-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 21 जून, 1974

निदेश सं० 4 एन०/एकीय०—यतः मुझे, के० एन० मिश्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 1459 एम, 1460 एम, है 1477 और 1479
जो, सिकन्दराबाद जिला—बुलन्दशहर में स्थित है (ओर उसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|-------------------------|-----------|
| 1. श्री राजपाल सिंह | (अन्तरक) |
| 2. श्रीमती नविया व अन्य | (अन्तरित) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका ऑफिसल 4 बीघा 16 बिस्ता है,
सिकन्दराबाद, जिला—बुलन्दशहर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 21-6-1974
मोहर :

प्र० रुप्य आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, IV, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 23 अप्रैल 1974

निर्देश मं० ए० सि०-७३/आर०-IV/एल०/७४-७४—
यत्, मुझे, जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/० से अधिक है और जिसकी सं० 1/3/4 ए०/१ एच है, जो दमदम रोड, बर्तमान 8 एन० समर सरणी, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23 अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बछने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितरयों, भर्ता—

(1) श्रीमती नमिता बनर्जी, 8 एन, समर सरणी थाना, काशीपुर, कलकत्ता-2। (अन्तरक)

(2) श्री मदानन्द बनर्जी, 8 एन, समर सरणी, थाना काशीपुर, कलकत्ता-2। (अन्तरिती)

(3) (1) श्रीबानन्द दत्त और (2) सुकुमार दत्त, 8 एन, समर सरणी, थाना काशीपुर, कलकत्ता-2।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किये लाए जाएंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 कट्टा 11 छटाक और 35 स्कोपार फिट जमीन जो स्किम प्लान के 33 सं० प्लाट हैं और जो पहले प्रेमिसेस सं० 1/3/4 के अंश, बाब में 1/3/4 ए०/१ एच०, दमदम रोड, बर्तमान 8 एन, समर सरणी और उस पर तिनतल्ला पक्का मकान।

जर्ज वर्गिस,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 23-4-1974
मोहर :

प्रह्लाद आई० ई० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 1/576-1/अक्तूबर 73—अतः मुझे
श्री शं० फडके, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मी० ए० न० 654/मलबार हिल डिवीजन
है, जो मलबार हिल, ताडेव, बम्बई, मेरे स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध प्रतुमूली मेरी पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-10-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स सी० बी० पाटील और अन्य। (अन्तरक)
2. मैसर्स देश भूषण कोआपरेटिव
हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड। (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी किरणादार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ पुरु करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति भी, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० एस० न० 654/ई० मलबार हिल और ताडेव, बम्बई,
8623 बर्गशज़।

श्री शं० फडके
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, I बम्बई

तारीख : 15-6-1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 29

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ़्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुधोम्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र ग्रीर विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं भद्र-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23 × 10 से० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साथात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 19 अगस्त, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 2 सितम्बर, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 4 का एक पद स्थायी है। क्रम-संख्या 17 का पद स्थायी है। किन्तु नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 4 का एक पद और क्रम-संख्या 8 से 11 तक के पद अस्थायी 8—156GI|74

हैं किन्तु उनके स्थायी बनाये जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 1 से 3, 6, 7, 12, 13, 16 और 18 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 5, 14 और 15 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 14 का एक पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है अन्यथा उन्हें अनारक्षित नहीं समझा जाए गा। क्रम-संख्या 8 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिसके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 11 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिसके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 15 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा।

1. एक निवेशक, प्रेड I, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (सामग्री), कानपुर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय वेतन :—रु० 2000-100-2500। आयु :—वरीयतः—55 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान/प्रयुक्त रसायनविज्ञान/रसायन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यता, वरीयतः पी०-एच० डी० या डी० एस० सी०। (ii) विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की संबद्ध शाखा के अनुसंधान तथा विकास कार्य में उत्कृष्ट योगदान जो वास्तविक अभिकल्पनों, परियोजना प्रतिवेदनों या पूर्ण लोह भाण्ड और/या प्रकाशित लेखों तथा पेटेन्ट्स द्वारा प्रमाणित हो। (iii) निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक या अधिक में अनुसंधान एवं विकास कार्य करने तथा निदेशन करने का अनुभव :—(i) रासायनिक तथा जैविक क्रिया के कारण पदार्थों का अवक्रमण। (ii) द्रव इंधन, तेल तथा स्नेहक। (iii) एकलक तथा बहुलक प्रबलित प्लास्टिक्स तथा संग्रथित सामग्रियां, कार्बन तंतु, रबर, इलेस्टोमर। आदि। (iv) उपर्युक्त क्षेत्रों में से किसी एक से संबद्ध बृहत् परियोजनाओं के मार्ग वर्णन तथा प्रबंध का अनुभव। (v) वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थाओं तथा अनुसंधान तथा विकास प्रतिष्ठान से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर अपेक्षित प्रशासनिक तथा जन प्रबंध अनुभव तथा कोई बहुत् अनुसंधान तथा विकास प्रतिष्ठान चलाने की क्षमता।

2. यांत्रिक इंजीनियरी का एक चयन प्रेड आचार्य, मिलिटरी इंजीनियरी कालेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय वेतन :—रु० 1600-100-1800। आयु :—वरीयतः 50 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में प्रथम श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा यांत्रिक इंजीनियरी में स्नातकोन्नर डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) यांत्रिक इंजीनियरी में 15 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें कम से कम 2 वर्ष का अध्यापन अनुभव सम्मिलित हो।

3. बैश्युत् इंजीनियरी का एक चयन प्रेड आचार्य, मिलिटरी इंजीनियरी कालेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1600-100-1800। आयु :—वरीयतः 50 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्या-

लय से वैद्युत इंजीनियरी में प्रथम श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा हैवराराबाद, आर्थिक पार्थ दिभाग, विल मंत्रालय। (ii) वैद्युत इंजीनियरी में 15 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें कग से कम 2 वर्ष का अध्यापन अनुभव समिलित हो।

4. दो निर्माण प्रबंधक, भारत सरकार ट्रस्टाल दशलई तथा हैवराराबाद, आर्थिक पार्थ दिभाग, विल मंत्रालय। वेतन ₹० 1100-50-1600। आयु-सीमा:—45 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी और/या वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी विभाग या विभाग वाणिज्यिक संगठन में किसी वायित्वपूर्ण पद पर वैद्युत या यांत्रिक इंजीनियरी में 5 वर्ष का अनुभव।

5. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड J, आयु सेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—700-50-1250। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिकी के ऐच्चिक विषय मत्रिक भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम०एम-सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) प्रविश्रोनिक तथा वायुयान प्रणाली अभिकल्पन के क्षेत्र में चार वर्ष का अनुभव।

6. छह वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—₹० 700-50-1250। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। योग्यताएँ: अनिवार्य:—वर्ग I और II के लिए (तीन पद):—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान/अभिकल्पन/विकास का चार वर्ष का शृण्डन। वर्ग III के लिए (एक पद):—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) गैस टरबाइन उद्योग में अनुसंधान/अभिकल्पन/विकास में चार वर्ष का अनुभव। वर्ग IV के लिए (दो पद):—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) गैस टरबाइन उद्योग में गैस टरबाइन पुर्जों के अभिकल्पन/विकास का चार वर्ष का अनुभव।

7. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैवराराबाद, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—₹० 650-30-740-35-810-द० ₹०-35 880-40-1000-द० ₹०-40-1200। आयु: वरीयत: 30 वर्ष से कम। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

8. इलैक्ट्रॉनिकी का एक आल्याता, इलैक्ट्रॉनिकी और यांत्रिक इंजीनियरी मिलिटरी कालेज सिकन्हराबाद, रक्षा

मंत्रालय। वेतन:—₹० 400-400-450-30-600-35-670-द० ₹०-35-950। आयु-सीमा:—10 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/व्यवसायिक अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता।

9. उत्पादन इंजीनियरी का एक आल्याता, वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर कोर, रक्षा मंत्रालय वेतन:—₹० 400-400-450-30-600-35-670-द० ₹०-35-950। आयु-सीमा:—35 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से उत्पादन इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/व्यवसायिक अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से उत्पादन इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता।

10. धातुविज्ञान का एक आल्याता, वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर कोर, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—₹० 400-400-450-30-600-35-670-द० ₹०-35-950। आयु-सीमा: 35 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में 3 वर्ष का अध्यापन अनुसंधान/व्यवसायिक अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता।

11. भौतिक अभिकल्पन का एक आल्याता, इलैक्ट्रॉनिकी एवं यांत्रिक इंजीनियरी, मिलिटरी कालेज, सिकन्हराबाद, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—400-400-450-30-600-35-670-द० वरो०-35-950। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिक अभिकल्पन के विषय के साथ यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/व्यवसायिक अनुभव। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिक अभिकल्पन इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की मास्टर डिग्री या समकक्ष योग्यता।

12. एक औद्योगिक प्रशिक्षण सम्पर्क अधिकारी व प्रशिक्षण अधिकारी, विलसी प्रशासन, विलसी। वेतन:—₹० 400-400-450-30-600-35-670-द० ₹०-35-900। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आटोमोबील/यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) आटोमोबील/समवर्गी उद्योगों में लगभग 3 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

13. चार वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड II, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैवराराबाद, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—₹० 400-40-800-50-950। आयु: वरीयत: 30 वर्ष से कम। योग्यताएँ: अनिवार्य:—

सभी वर्गों के लिए (I, II तथा III) : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। वर्ग I के लिए (2 पर्व) : (ii) प्रेस और जारों, ग्रन्त: क्षेपण गडाई (Injection Moulding) के लिए डाक्टों, संपीड़न पडाई (Compression Moulding) तथा दबाव-युक्त डाई फ्लाई तथा परिशुद्धि मंग्रहण कार्य हेतु जिस तथा फिक्सचरों के अधिकल्पन तथा विकास का दो वर्ष का अनुभव और/या किसी विष्यात प्रशिक्षण संस्थान में और जारों तथा डाई अधिकल्पन का प्रशिक्षण। वर्ग II के लिए (एक पर्व) : (ii) इंधन के ज्वलन संबंधी लक्षणों के अन्वेषण में दो वर्ष का अनुभव। वर्ग III के लिए (एक पर्व) : (ii) धन तथा संकर राकेट इंजिनों की अंतरिक प्राक्षेपिकी में दो वर्ष का अनुभव।

14. सात सहायक भू-भौतिकीविद् (यंत्र ध्यास्था), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से भौतिकी या रेडियो भौतिकी तथा इलेक्ट्रोनिकी या भू-भौतिकी में 'मास्टर' डिग्री अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से यंत्र प्रौद्योगिकी या वैद्युत या दूर संचार में डिग्री।

15. भूगोल का एक आल्याता, नेशनल इफेस एकेडमी, खड़कावासला, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 तथा साथ में रु० 150-विशेष भत्ता। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय सम्मान से अच्छे शैक्षिक वृत्त महित। भूगोल में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यताएं (ii) अध्यापन अनुसंधान का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

16. एक लोक स्वास्थ्य दंतचिकित्सक, स्वास्थ्य सेवा निवेशालय, लोक स्वास्थ्य विभाग, गोदा, बमन तथा दियु सरकार। वेतन :—रु० 325-25-500-30-590-द० रो०-30-800। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—दंत चिकित्सक अधिनियम 1948 (1948 का अधिनियम XVI) की अनुसूची के भाग I या भाग II में निबद्ध डिग्री योग्यता।

17. एक गाड़, आख्याता, नेशनल गैलरी आफ भाड़न आर्ट, नई बिल्ली, संस्कृत विभाग। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। (परिशोधनाधीन)। आयु-

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd July 1974

No. A 12022/1/74-Admn.I.—Shri G. V. Naik, an officer of the Indian Customs and Central Excise Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 18th June, 1974.

The 8th July 1974

No. A 32013/1/74-Admn.I.—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A 32013/1/74-

सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भारतीय इतिहास या भारतीय संस्कृति के विषय के साथ डिग्री। (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान में कला के आख्याता के रूप में लगभग 2 वर्ष का अनुभव या कला लेखक या कला समीक्षक के रूप में या किसी प्रतिष्ठित आर्ट गैलरी में कला गाइड के रूप में लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

18. एक घरिष्ठ सकनीकी सहायक, भारत सरकार के सीरम विज्ञानी तथा रसायन परीक्षक का कार्यालय, कलकत्ता, स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575- (तृतीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार परिणोदित होने की संभावना है)। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सूक्ष्म जीव विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान/ कार्बनिक रसायन विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री। समकक्ष योग्यता। (ii) सूक्ष्म जीव विज्ञान, सीरम विज्ञान, जीव रसायन या रसायन प्रयोगशाला में 2 वर्ष का अनुभव। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सूक्ष्म जीव विज्ञान या रसायन विज्ञान के विषय सहित विज्ञान में 'वैचलर' डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) सूक्ष्म जीवन विज्ञान, सीरम विज्ञान, जीवन रसायन या रसायन प्रयोगशाला में 5 वर्ष का अनुभव।

शुद्धि-पत्र

एक क्षाय चिकित्सक एवं अधीक्षक, दंड कारप्य परियोजना, आपूति तथा पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग)। संदर्भ :—8-6-1974 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 23 की मद-संख्या 7। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि उक्त पद की भर्ती अब रद्द वार दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया था उनके द्वारा भुगतान किया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

क० वै० रामकृष्ण,
परीक्षा नियंत्रक,
सघ लोक सेवा आयोग

Admn.I dated 10th April, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 6th June, 1974.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 6th June, 1974.

M. R. BHAGAT
Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th July 1974

No. A 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi, a permanent officer of the

Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 46 days with effect from 1-5-1974 to 15-6-1974.

M. R. BHAGAT
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 5th July 1974

No. P/1765-Admn.II.—Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Director General of Posts & Telegraphs, New Delhi, to officiate as Research Officer on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st June, 1974 up to 14th of July, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT
for Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS/C.B.I.

New Delhi-1, the 6th July 1974

No. PF/K-17/74-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Bajaj, Assistant Director of Inspection (Investigation) Directorate of Inspection (Investigation), Central Board of Direct Taxes, New Delhi as Chief Technical Officer (Accounts and Income-tax), C.B.I. Head Office, New Delhi, on deputation, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22-6-74, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 9th July 1974

No. 6/6/72-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri P. Padmanabha, I.A.S. Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka at the disposal of the Government of Karnataka with effect from 1 March 1974.

2. The President is also pleased to decide that in addition to the normal duties assigned to him from time to time under the Government of Karnataka, Shri Padmanabha will also function as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka in an ex-officio capacity with effect from the above date, until further orders.

R. B. CHARI
Registrar General, India &
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 2nd July 1974

F. No. BNP/E/Spl/39.—The officiating appointment of Shri Joy Peter, Foreman (Production) in the Security

Paper Mill, Hoshangabad as Stores Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on ad hoc basis with effect from 23-5-74 (F.N.) to 30-6-74 (A.N.) or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-1, the 8th July 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/754.—Consequent upon his attaining the age of superannuation (58 years), Shri Sadhu Ram, permanent Accounts Officer of this office is retired from Government Service w.e.f. 30-6-74, afternoon, in terms of Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24-11-73.

The date of his birth is 12-6-1916.

No. Admn. I/5-5/Promotion/74-75/761 :—The Accountant General Central Revenues, has appointed the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 840-1200 w.e.f. the dates shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of promotion as A.O.
1	2	3
S/Shri		
1. Dev Raj II. S.O.	1-7-74 F.N.
2. R.N. Tanwar, S.O.	1-7-74 F.N.
3. S.K. Bhandari, S.O.	1-7-74 F.N.
4. Girraj Prasad, S.O.	1-7-74 F.N.

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Allahabad, the 28th June 1974

No. Admn. I/11-144/X/KW/115 :—The Accountant General Uttar Pradesh-I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office with effect from the dates noted against them till further orders :—

- (1) Sri Maheshendra Kamlesh Srivastava 11-4-74 A.N.
- (2) Sri Nagendra Nath Tewari 11-4-74
- (3) Sri Gurcharan Singh 17-4-74

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH I

Hyderabad, the 8th July 1974

No. E.B. I/8-312/73-74/180.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri B. Paul Christopher, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 20-6-74 R.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B. I/8-312/73-74/184.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri G. Anjeneya Sarma, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26-6-74 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B. I/8-312/73-74-188.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri D. Hanumantha Rao, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1,000-EB-40-1,200 with effect from 29-6-74 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. NAGARAJAN
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 8th July 1974

No. Admn.I/1038-XII/1566.—The Accountant General, West Bengal, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the forenoon of 8-7-1974 or the date on which they actually take over charge as Accounts Officers in this office/Office of the Accountant General, Central, Calcutta, whichever is later and until further orders :

S/Shri

1. Shyam Narayan Pramanick
2. Achintya Kumar Sengupta
3. Prakash Ranjan Biswas
4. Madhusudan Sen Sharma
5. Sunil Ratan Gangopadhyay
6. Deba Prasad Mitra I
7. Nirod Kumar Choudhury
8. Amarendra Ghoshal
9. Mrigendra Nath Nag
10. Arghya Kusum Majumdar
11. Chintaharan Chakraborty
12. Gouri Sankar Choudhury
13. Mahadeb Prasad Dutta
14. Asoke Kumar Ghosh
15. Gouranga Biswas.

Out of the above 15 Officers, the inter-se-seniority of the 12 Officers will be as follows :—

S/Shri

1. Achintya Kumar Sen Gupta
2. Prakash Ranjan Biswas
3. Madhusudan Sen Sharma
4. Sunil Ratan Gangopadhyay
5. Debaprasad Mitra I
6. Amarendra Ghoshal
7. Mrigendra Nath Nag
8. Arghya Kusum Majumdar
9. Chintaharan Chakraborty
10. Gouri Sankar Choudhury
11. Mahadeb Prasad Dutta
12. Asoke Kumar Ghosh.

The inter-se seniority of the other 3 Officers viz. S/Shri Shyam Narayan Pramanick, Nirode Kumar Choudhury and Gouranga Biswas will be fixed in due course.

GHANSILO DAS
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal

MINISTRY OF FINANCE (DEFENCE)

(DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT)

Bombay, the 12th June 1974

Order of termination of services issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

AN/1/5023.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri D. N. Gavali, Ty UDC (A/c No. 8312082) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published.

NVC SEKARIAH
Controller of Defence Accounts (Navy)
Bombay

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT

New Delhi-22, the 6th July 1974

No. 18239/AN-II.—The President regrets to announce the death of Shri N. S. Narayanan, Deputy Controller of Defence Accounts (Navy), Visakhapatnam on 25th May, 1974. His name is accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 26th May, 1974 (F.N.).

C. V. NAGENDRA
Dy. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 6th July 1974

**(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL)
(ESTABLISHMENTS)**

No. 6/505/58-Admn(G)/2984.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Ghose, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S., to officiate in Grade I of that Service for the period from 13-5-1974 forenoon to 29-6-1974 afternoon.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. K. Ghose as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-600001, the 9th July 1974

ORDER

Sub : Cancellation of Custom Purpose copy of import licence No. P/S/1831150/C/XX/48/V/37-38 dated 28-9-73 issued for Rs. 4138/- for A.M. 74 period.

No. R/625/AM 75/SSL (2).—M/s. National Crucible Company, Rajahmundry were issued Import licence bear-

ing No. P/S/1831150/C/XX/48/V/37-38 dated 28-9-73 for Rs. 4,138 for A.M. 74 period for import of Silicon Carbide from G.C.A. The firm have applied for issue of Duplicate Custom purpose Copy of the licence under the ground that the original Custom Copy of the licence has been lost or misplaced without having been utilised at all. In support of their request they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original customs copy of licence No. P/S/1831150/C/XX/48/V/37-38 dated 28-9-73 has been lost or misplaced and duplicate copy of the same may be issued to the firm.

The original Custom Copy of licence No. P/S/1831150/C/XX/48/V/37-38 dated 28-9-73 is hereby cancelled.

M. F. R. BIJLI

Deputy Chief Controller of Imports & Exports
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 3rd July 1974

No. 2222(SAK)/19A.—Shri Saeed Ahmad Khan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 350 per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-2-1974 until further orders.

No. 2503(IV)A/19B.—The President is pleased to appoint Shri K. M. Das, Chemist (Junior) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700—50—1250 and in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13-5-1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN
Director General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 5th July 1974

No. 5(15)/62-SI.—Shri S. R. Kulkarni, Programme Executive, All India Radio, Bombay retired from service with effect from the afternoon of the 31st May, 1974 on attaining the age of superannuation.

No. 3(19)/68-SI.—Shri G. N. Pandey, Programme Executive, All India Radio, Chandigarh, to officiate as earned leave from the 4th March, 1974 to 30th April, 1974 as Leave Preparatory to Retirement retired from service on the expiry of that leave on the afternoon of the 30th April, 1974.

No. 6(61)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. D. Bhatia, Transmission Executive, All India Radio, Chandigarh, to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis from the 1st February to 30th March, 1974 vice Shri S. K. Sharma, Programme Executive, All India Radio, Chandigarh granted leave.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th June 1974

No. 41-38/74-D.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. K. Kulkarni as a Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, Cochin, in an officiating capacity with effect from the 1st April, 1974 (F.N.) and until further orders

P. S. RAMACHANDRAN
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 9th July 1974

No. 16-4/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sohan Lal, Assistant Suptd., Govt. Medical Store Depot, Karnal as Assistant Depot Manager in the Medical Stores Organisation at Emergency Sub-Depot, New Delhi, with effect from the forenoon of 26th June, 1974 and until further orders.

P. C. KAPUR
for Director General of Health Services

New Delhi-11, the 10th July 1974

No. 29-30/74-CHS.I.—Dr. Dipankar Banerjee relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer on *ad hoc* basis under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 13th May, 1974.

No. 29-25/74-CHS.I.—Dr. Ashish Chandra Ray relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer on *ad hoc* basis under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 14th May, 1974.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-85, the 16th June 1974

No. PA/81(27)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sonaji Dagodu Bhamare, a temporary Scientific Officer/Engineer/Grade A in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(59)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dominic Louis Fonseca, a permanent Assistant Foreman and temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade-SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 1, 1974, until further orders.

The 19th June 1974

No. PA/81(55)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Chinta Haran Roy, a temporary Supervisor (Civil) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

The 21st June 1974

No. PA/73(13)/68-R-IV/74-III.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/A/722-R-IV dated August 2, 1972, the Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the period of appointment of Shri Rameshchandra Bhagwandas Arora as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1974 to March 31, 1975 (AN).

No. PA/73(13)/68-R-IV/74-(II).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV dated July 12, 1972, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Dr. Kirtikumar Laxmichand Shah as E.N.T. Surgeon on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1974 to March 31, 1975 (AN).

No. PA/73(13)/68-R-IV/74-I.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/K/1732-R-IV dated June 26, 1972, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extend the period of appointment of Kum. Kalpana Dattatraya Khanapurkar as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1974 to March 31, 1975 (AN).

The 22nd June 1974

No. PA/81(45)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Rama Iyer Venkatarasubramanian, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(54)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Dattatray Shankar Mali, a temporary Draughtsman-C in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(54)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Prahlad Kisban-chand Kripalani, a temporary Supervisor (Civil) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(50)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Santi Prokash Chakraborty, a permanent Scientific Assistant (B) and a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

The 25th June 1974

No. PA/81(46)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Chakrakant Govind Jadhav, a permanent Draughtsman-B and a temporary Draughtsman-C in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 4th July 1974

No. D/469/Accts/Estd.III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Felix D'Souza, a permanent Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre, with effect from the forenoon of February 4, 1974 to the afternoon of June 1, 1974 vice Shri S. G. Joshi, Assistant Accounts Officer, granted leave.

C. J. JOSEPH
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(Power Projects Engineering Division)

Bombay-5, the 31st May 1974

No. PPED/3(89)/74/Adm.-5798.—Dy. Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri Onkar Singh, Scientific Officer/Engineer Grade SB of Reactor Research Centre, in the same capacity in this Division with effect from the forenoon of May 3, 1974, until further orders.

R. J. BHATIA
Administrative Officer
for Dy. Director

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd May 1974

No. RRC-II-13(9)/73-9354.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri RAJINDER KUMAR MALL, a permanent 'D' man "B" of Bhabha Atomic Research Centre and officiating D'man "C" of the Reactor Research Centre to officiate as S.O. (SB) in the same Centre with effect from the forenoon of February 1, 1974 until further orders.

N. SWAMINATHAN
Sr. Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 13th June 1974

No. APA/Adm/1/29/73.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority is pleased to appoint Shri K. S. Ranganathan, a permanent SAS Accountant of the Office of the Accountant General, Posts & Telegraphs Department officiating as Accounts Officer-II in Tarapur Atomic Power Station, as Accounts Officer-II in the same Power Station in a substantive capacity with effect from May 21, 1973.

The 15th June 1974

No. APA/Adm/16/23/73.—Consequent on his relinquishing charge of the post of Administrative Officer-II in the Tarapur Atomic Power Station, Tarapur, Shri S. Krishnan resumed his duties as an officiating Assistant Personnel Officer in the Atomic Power Authority (Central Office), Bombay on the forenoon of May 27, 1974.

R. VEERA RAGHAVAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th July 1974

No. A. 32013/3/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri H.O. Michael Senior Technical Officer to the grade of Assistant Director of Communication with effect from the 9th April, 1974 (F.N.) on an *ad hoc* basis in the office of the Director General of Civil Aviation.

MEMORANDUM

No. A-32014/3/73-EC.—The Director General of Civil aviation is pleased to appoint the undermentioned Technical Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil aviation Department as Assistant Technical Officer on an *ad hoc* basis with effect from the date shown against each until further orders :—

S.	Name	Dated From which appointed	Station to which appointed
1.	Shri M. L. Dey . . .	24-5-74 F.N.	A.C.S. Calcutta.
2.	Shri A. K. Dey . . .	5-3-74 A.N.	A.C.S. Agartala.
3.	Shri D. C. Dubgotra . . .	15-4-74 F.N.	Office of the Director General of Civil Aviation

S. GUPTA,
*Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.*

New Delhi, the 6th July 1974

No. A. 22012/3/74-E(H).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Tuli, as Assistant Director (Conventions, Agreements and Legislation) in the Civil Aviation Department, on an *ad hoc* basis vice Shri B. K. Bajpai, Assistant Director (Conventions, Agreements and Legislation) granted extension of leave from the 21st June, 1974, to the 20th July, 1974.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th July 1974

No. E(I)07118.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Faqir Chand, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri Faqir Chand, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04185.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. C. Paul, Professional Assistant, Meteorological Centre, Lucknow, under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30th May, 1974 and until further orders.

Shri A. C. Paul, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

NOOTAN DAS
Meteorologist
for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 4th July 1974

No. 1/330/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri D. S. Pendse, Asstt. Supervisor, Bombay Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 2-4-1974 to 31-5-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer,
for Director General

CENTRAL WATER & POWER COMMISSION
(WATER WING)

New Delhi-22, the 5th June 1974

No. A-12017/1/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated 7-11-73, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri T. P. Yegnan to the grade of Assistant Research Officer (Mathematics), Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period from 1-1-74 to 21-1-74.

No. A-19012/342/72-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, Senior Research Assistant (Maths.) to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period not exceeding 6 months with effect from the forenoon of 11-3-1974.

The 8th July 1974

No. A-12017/1/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated 27-3-74, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis for the period shown against each or till the nominees of the Union Public Service Commission join, whichever is earlier :—

1. Shri M. Bhowmik—1-4-74 to 30-6-74.
2. Shri M. P. Namboodri—1-4-74 to 30-6-74.
3. Shri S. A. Basha—1-4-74 to 30-6-74.

K. P. B. MENON
Under Secy.,
for Chairman, C.W. & P. Commission

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956
and*

In the matter of Cassava Industrial Products Limited

By an order dated 11-2-1974 in C.P. No. 19/73 made by the High Court of Kerala at Ernakulam M/s. Cassava Industrial Products Limited, has been wound up under the provisions of the Companies Act, 1956.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies,
Kerala

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore, the 21st May 1974

No. C. R. 62/1885/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/13, 6th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nayanagar, Bangalore-11 on F.E. 15/11/1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

9—156GI/74

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Vijayalakshmi, W/o M. Varadappa Naidu, No. 76, Sradhananda Bhavan Road, Bangalore-11. (Transferor)
- (2) Shri K. Nuniswamappa, S/o Shri Kondappa, Harpanahalli Jigani Post, Ankal Taluk, Bangalore District. (Transferee)
- (3) Karnataka Electricity Board. (Person(s) in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 35/13, 6th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-5-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ARJAN RANGE,

Kanpur, the 29th May 1974

No. F. 43/Acq 150/Val./KNP/73-74/731.—Whereas, I, C. S. Pandey being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/79 situated Vishnu Puri, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Kanpur on 19-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yaswant Bhaskar Ghare, Gandhi Bhawan, Plot No. 45, 15th Road, Chembur, Bombay-71.
(Transferor)
- (2) Shri Pyare Lal Bhartia, 58/44, Birhana Road, Kanpur.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 3/79, situated at Vishnu Puri, Kanpur.

.C. S. PANDEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri R. P. M. Subramani S/O R. P. Muniswamappa.
No. 25, Anjanappa Agrahor, Chamarajapet,
Bangalore-560018.

(Transferee)

(4) Shri Talanki Muniyamma Lingaaiah Charities by
Shri T. L. Venkataranaiyah Setty, Managing
Trustee, No. 204, Nagarathpet, Bangalore.
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing the first floor, in the premises No. 8 IVth Cross Wilson Gardens Bangalore-560027.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-5-1974

Seal :

- (1) Shrimati T. N. R. Shethamma wife of Late Shri T. N. Ramaswamy Iyengar, No. 246 37-A Cross 9th Block, Jayanagar, Bangalore-560011.
(Transferor)

FORM JTNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 14th June 1974

Ref. No. Acq. PR. 94/23-167/19-7/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 42—Paiki Mun. Ward No. 13, Nondh No. 328—Plot No. 17 situated at Athwa, Surat fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 22-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal Lalloobhai Dantwala Yogesh Shantilal Dantwala Arunkumar Shantilal Dantwala.
(Transferor)
- (2) Madhukar Shantilal Dantwala.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 552 Sq. yards situated at Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat—bearing Muni. Ward No. 13—Nondh No. 328—Plot No. 17—Sur. No. 42 Paiki—as mentioned in the registered deed No. 3698 of October 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 14-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jayanthi S/O Pukhraj,
Jind Floor D. S. Market,
D. S. Lane, Chickpet,
Bangalore-560002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560027, the 27th May 1974

No. CR.62/1811-B/73-74.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. site bearing No. 88 and 89 (old No. 101), Marimuniyanna Lane, Nagarpet, Bangalore-560002, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560009 on 3-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Krishnoji Rao S/O Mannaji Rao,
No. 956 Sher Khan Lane, Nagarpet Cross,
Bangalore-560002.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site bearing No. 88 & 89 (old No. 101) Marimuniyanna Nagarpet, Bangalore-560002.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-5-1974

Seal : _____

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1974

Ref. No. F. 3062/73-74.—whereas, J A. RAGHAVENDRA RAO,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 289/6A, 290/16, 282/8, 289/1A, G90/15, 290/17A, 290/17B, 290/17C, 290/18A, 290/18B & 290/18C, Salem Main Road, Kallakurichi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kallakurichi on 31-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1. Palania Pillai, S/o Alagia Pillai;
2. Natesa Pillai, S/o Nagapillai;
3. Palania Pillai, S/o Ayyamperumal pillai;
4. Nalla Pillai; S/o Palania Pillai,
5. Palania Pillai, S/o Vaiyapuri Pillai;
6. Valliamma, D/o Vaiyapuri Pillai;
7. Sarangapani Chettiar,
8. Palani; and 9. Kannan,
1. Kallakurichi.

(Transferor)

2. Shri T. Ramalingam Pillai, S/o Thoppala Pillai, Cholampattu village, P.O., South Arcot District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land admeasuring 5-11 acres (with rice mill, well and godown) in Survey Nos. 289/6A, 290/16, 282/8, 289/1A, 290/15, 290/17A, 290/17B, 290/17C, 290/18C & 290/18A, Salem Main Road, Kallakurichi.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 30-3-74.

Seal :

FORM ITNS

(2) Mrs. Kathijathul Kubra, W/o M A. Kuddus, 7B,
Khader Nawaz Khan Road (Rutland Gate),
Madras-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2
123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 11th June 1974

Ref. No. F. 960/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7A situated at IV Street, Rutland Gate, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras on 19-10-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. C. R. R. Pillai, S/o Shri P. Narayana Menon, 7A, IV street, Rutland Gate, Madras-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 grounds & 600 Sft. (with building) situated in No. 7A, IV Street, Rutland Gate, Madras-6 (R.S. No. 58/18 (Part)).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2
Madras-6

Date : 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

Bangalore, the 24th May 1974

No. C.R./1912/73-74/AQB.—Whereas I, Shri R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property being Groundfloor in the premises No. 817 the Cross Wilson Garden, Bangalore-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) K. Lalithabai W/o N. Kuppuswamy No. 8, IVth Cross Wilson Garden, Bangalore-27.
(Transferor)

(2) Shri R.P.N. Subramani s/o Shri R.P. Muniswamappa No. 25, Appajappa Agrahara Chamarajpet, Bangalore-18.
(Transferee)

(4) Shri Talanki Muniyamma Lingiah charities by Shri T. L. Venkatramiah Setty, Managing Trustee, No. 204, Nagarpet, Bangalore-2.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing the Ground Floor in the premises No. 8, IVth Cross Wilson Gardens, Bangalore-27.

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore).

Date : 24-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Chandrami W/o Shri Sardar Lal Gupta, Jawahar Nagar, Raipur, P/O M/s. Jyothi Industries, Baloda Road, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 5th June 1974

Ref. No. SUB-REG/RAIPUR/31-10-73.—Whereas, I C. Khushaldas being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.H. No. 109, B. No. 306, Pandari Tarai, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Raipur on 30-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shriram Luthra S/o Shri Babu Gopal Dass Luthra, Jawahar Nagar, Raipur, P/o M/s Jyothi Industries, Baloda Road, Raipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House—Single storeyed P.H. No. 109, B. No. 306, Pandari Tarai, Raipur.

C. KHUSHALDAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-6-74

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. I(1229)/73-74.—Whereas, I Saroj Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ac. 3-00 situated at Bobbilinka village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajahmundry in October, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Manyam Madavarao, S/o Venkatakrishnaparao, 2. Sri Maddipati Subbarao, S/o Raju, 3. Sri Maddipati Jogendranath Chowry, 4. Sri Manyam

Ramamohanarao, S/o Venkatakrishnaparao, 5. Smt. Venkataramanamba, W/o Manyam Madavarao, 6. Smt. Manyam Rajeswari, W/o Ramamohanarao, 7. Smt. Yelamarthi Gayatri Devi, W/o Achutaramma 8. Sri Chitturi Gopalakrishna Gokhale, 9. Sri Koduri Bhaskararao, 10. Smt. Yelamarthi Rama Sekharam, W/o Venkataraidu, 11. Sri Gangina Venkatasatyanarayana, 12. Sri Gangina Sivaramakrishna, 13. Edula Baskararao, 14. Smt. Gangina Bulliveeramma, 15. Smt. Gangina Satyavathi, Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) Shri Chodey Rangarao, Mg. Pr. Vijayalaxmi Kandasari Sugars, Bobbilinka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District—Rajahmundry Taluk—Mulakallanka village—Site etc.

BOUNDRIES

East—Bollina Veerraju's site
South—Site of Polina Venkataraao
West—Land of Ganga Bagyalaxmi
North—Bund (Gattu)

SAROJ KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada (i/c)

Date : 17-6-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Ram Piari w/o Shri Guru Datt,
Smt. Sushma Khullar w/o Shri Virendra and
Shri Sudershan Dogra c/o M/s. G. D. Traders,
G.T. Road, Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-924/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3632 of October, 1973 situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in October 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Iqbal Chand s/o Shri Khushal Chand,
Bauli Inderjit Singh, Batala.
(Transferor)

- (2) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (3) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3632 of October, 1973 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28th May 1974

Seal : _____

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref. No. 28-S/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.C., being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Distt. Almora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Almora on 3-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Harish Chandra Joshi

(Transferor)

Date : 21-6-1974.

(2) Sarla Devi & others.

Transferees)

Seal

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with three shops situated at Distt. Almora.

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Lucknow.

FORM ITNS—

(2) Sri Poddaturi Narasimha Rao, S/o Lingiah, R/o
Yadgirigutta village, Bhongir Tq. Nalgonda Distt.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th June 1974

Ref. No. RAC. No. 15/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-524/12/1 & 2 situated at Chikadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kavori Shatrunjaya, S/o Anandiah, P.O. Kuchipudi, Tenali, Tq. Guntur Distt.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-8-524/12 & 1-8-524/12/1 & 2 at Chikadpally, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Rameshwari S/O Pukhrai,
2nd Floor, D. S. Market,
D. S. Lane, Chickpet,
Bangalore-560002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

Bangalore-560027, the 27th May 1974

No. CR.62/1811-A/73-74.—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. site bearing (old No. 101) and New No. 88 and 89, Marimunivanna Lane, Nagarpet, Bangalore-560002, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560009 on 3-10-1973, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Krishnaji Rao, No. 356,
Sherkhan Lane, Nagarpet Cross,
Bangalore-560002.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site bearing No. 88 and 89 (old 101), Marimunivanna Lane, Nagarpet, Bangalore-560002.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date :27-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri 1. Kamakunta Ramiah Gowd, 2. Kamakunta Veera Gowd, 3. K Narsimha all residing at H. No. 7-1-363, Balkampet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th June 1974

Ref. No. RAC. No. 13/74-75.—Whereas, I S. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-53/1 situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 10-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 260C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Kodali Nageswara Rao, S/o Ramachandarla, 2. Kodali Ramachandria Prasad S/o K Nageswara Rao 3. Kodali Mallikarjuna Rao S/o K Nageswarao, being minors guardian and father Party No. 1 H. No. 8-1-363 Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-8-53/1 at Chikkadpally, Hyderabad measuring 723 Sq. Yards.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1974

Ref. No. RAC. No. 14/74-75.—Whereas, I S. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-524/11/1 to 3 situated at Chikadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 8-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kovoori Gopadvo Sastry, S/o Ramiahay, R/o Koochipudi village, Tenali, Tq. Guntur Dist.
(Transferor)
- (2) 1. Sri Poddaturi Lingiah, S/o Rachiah, 2. Shri Poddaturi Narsimha Rao, S/o Lingiah, both are residing at Yadagirigutta, village, Bhongir Tq. Nalgonda Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-8-524/11/1 to 3 at Chikadpally, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD,

Poona-411004, the 7th June 1974

Ref. No. C A. 5/October '73/Kagal/121/74-75.—Whereas, I. G. Krishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 860, R.S. No 573/1 & 2 at Murgud, Tal. Kagal, Dist. Kolhapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kagal, on 24-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shrimant Jaysingrao Pirajirao Ghatage, Sarjerao Vajratama, Abarajesahab, Kagal House, Kagal Senior, Dist. Kolhapur.
- 2. Shri Shrimant Vikramsinha Jaysingrao Ghatage,

11—156GI/74

Sarjerao, Kagal House Dist. Kolhapur.

On behalf of both above power of attorney to Shri Shankarrao Dnanoba Jadhav, at Kagal, Tal. Kagal, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

- (2) Shri Sanjay Gopinath Dharia, Minor guardian by his father, Shri Gopinath Manikchand Dharia, At Nipani Tal Chikodi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Murgud, Tal. Kagal. House and open space bearing Municipal House No. 860 R.S. No. 573/1 & 2. Area 6855 Sq. yards. Free-hold.

G. KRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Poona

Date - 7-6-1974

Seal,

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 28th May 1974

Ref No. ASR/Abohar/AP-940/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1285 of October, 1973 situated at Suraj Nagri, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in October 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sheo Karan s/o Shri Ram Rakh of V. Rajanwali now Suraj Nagri, Abohar.
(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Lekh Ram, Suraj Nagri, Street No. 4, Abohar.
(Transferee)

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further noticed that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1285 of October, 1973 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 28th May 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-926/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA

being the competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3668 of October, 1974, situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in October 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sain Singh alias Faqir Singh, Sadhu Singh, Sawan Singh s/o Shri Mehar Singh Bauli Inderjit Singh, Batala.
(Transferor)

(2) Sh. Bhushan Kumar s/o Shri Des Raj Aggarwal through Shri Harish Chander c/o Goyal Iron Foundry, Batala.
(Transfree)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3668 of October, 1973, of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-5-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/Btl/AP-927/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3718 of October, 1973, situated at Batala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in October 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sain Singh alias Faqir Singh, Sadhu Singh, Sawan Singh S/o Shri Mehar Singh, Bauli Inderjit Singh, Batala.

(Transferor)

(2) Shri Bhushan Kumar S/o Shri Des Raj Aggarwal through Shri Harish Chander C/o M/s Goyal Iron Foundry, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3718 of October, 1973 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-5-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Gottipati Arunachalam, S/o Yagnnarayana,
Prop Aruna Tobacco Company, Pasumarru
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 17th June 1974

Ref No J No I(1194)/74-75—Whereas, I Saroj Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No S No 185 & 186 situated at Gannavaram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1948) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on 15/10/1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri 1 Kalla Venkatanarayana, 2 Kalla Chalapathi-
rao, 3 Kalla Punnirao, 4 Veera Vasanth Rao and
sons of Venkatiah, Koollavaiyapalem, 5 Ravipati
Eswaraiah S/o Sriramulu, Eddakapanty
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Guntur district—Chilukaluripeta Sub-Registration—Gannavaram village—S No 185 Ac—Ac 2 58 and 186 Ac 4-26—Poora Nos HC-2 770

SAROJ KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 17-6 1974

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1974

Ref. No. F. 7790/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 2 & 3 (Part), Vijayaraghavachari Lane, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar on 10-10-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Radhakrishnan, S/o Shri N. V. Bashyam Reddy, No. 42, Bashyam Reddy Street, Manjakuppam, Cuddalore-1.

2. Shri R. Yuvaraj and

3. Shri R. Prasad (Minors) through their father & natural guardian Shri B. Radhakrishnan.
(Transferor)

(2) Smt. Rani Nachiar, W/o Shri M. Ramasubramanian, Rani Clinic, Cumbum, Madurai District.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land admeasuring 3 grounds in Plot Nos. 2 and 3 Part, (T.S. Nos. 4844, 4845, 4846 (Part) and 4847 (part) Vijayaraghavachari Lane, Thyagaroyanagar, Madras-17.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 30-5-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Bapuji Shroff, "Lala Rook", Coonoor-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1974

Ref No. F. 2071/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 23-26 situated at Coonoor (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor on 9-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) 1. Mr. Stanley Hugh Slator, 2. Mrs. Phyllis Slator "The Anchorage", Adjacent to Spencers, Coonoor-1 (The Nilgiris) (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land admeasuring 1.37 8 16 acres (with buildings) situated at Ward No. XV Door Nos. 23—26 (Assessment No. 3328), Coonoor.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 30-5-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras-6, the 11th June 1974

Ref. No. F. 2072/73-74.—Whereas I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 9/27 situated at Jail Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore on 8-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Rm. Km. Kumarappa Chettiar S/o Ramanathan Chettiar, 29, D. B. Road, R. S. Puram, Coimbatore-2.
(Transferor)
- (2) 1. Shri P. Govindaraju, No. 9/63-A, Rangakonar Street, Kattoor Coimbatore.
2. Shri P. Kuppusami, S/o R. Palaniappa Konar, Park Street, Kattoor, Coimbatore.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 15 cents (with building) and bearing T.S. No. 127 (one part) (New Assessment No. 14019) situated at Door No. 9/27, Jail Road, Coimbatore.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2
Madras-6

Date : 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Mount Stuart Tea Estate, 64, New Bardan Lane, Bombay-3.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th June 1974

Ref. No. F. 2092/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 12/1A 1C 1A Lower Sheikalmudi Estate, Anamalai Hills Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Old Custom House, Fort, Bombay on 8-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. C. C. Mohammed Kassim, Managing Partner, M/s. Tamil Nadu Trading Company, Chalakudi (Kerala State).
(Transferor)

12—156GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 142.38 acres (with plantations, sheds, constructions, trees, plants and all other improvements thereon and all other rights whatsoever upurtenances thereto) bearing Survey No. 12/1A, 1C, 1A and forming part of Lower Sheikalmudi Estate Anamalai Hills Village, Pollachi Taluk.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-2
Madras-6

Date : 11-6-1974
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 25th June 1974

Ref. No. AC-21/R-JI/Cal/74-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 being a portion of Premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta situated at 18B, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 23-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Straw Products Limited Registered office at Jay Keeypur, Rayagada; Dist. Koraput, Orissa.

(Transferor)

(2) Nav Bharat Vanijya Limited, Registered office at No. 7, Council House Street, Calcutta.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of partly mourashi mokarari land and partly rent free land measuring 16 kattahs 6 chs. 28 sq. ft. marked as Plot No. 4, being a portion of premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 25-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Alluminium Corporation of India Ltd., Registered Office at No. 7, Council House Street, Calcutta.
(Transferor)

(2) Bengal & Assam Investors Ltd. Registered office at
No. 7, Council House Street, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 25th June 1974

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta situated at 18A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 23-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of partly mouashi mokrari land and partly rent free land measuring 18 kottahs, 3 chs. 43 sq. ft. together with structure, marked as Plot No. 1 being a portion of Premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta.

Structure on ground floor covering area of 1288 sq. ft. (approximately).

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 25-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II.**

Calcutta-1, the 25th June 1974

Ref. No. AC-23/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 8A, Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 19-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Machine Techno (Sales) Pvt. Ltd. 33, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Shri Atma Ram Kejriwal, 26/1, Strand Road, Calcutta.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat—plinth area—1342 sft. approximately on the third floor at 8A, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 25-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kamla Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Mrs. Ginni Devi Tantia, 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 27th June 1974

Ref. No. Ac-24/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11 of the multistoried building being premises No. 8A, Alipore Road, situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (Previously known as 8, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 31-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of Flat bearing No. 11 on 7th Floor at premises No. 8A Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 27-6-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Mrs. Sarda Devi Tantia, 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 27th June 1974

Ref. No. Ac 25/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11 of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta situated at 8A, Alipore Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 31-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Kamla Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of first being No. 11 on 7th floor at premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 27-6-74.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Munnalal Bari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 4th July 1974

Ref. No. TR-1456/C-306/CAL-I/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4B situated at Jackson Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances, No. S. Govt. Place North, Calcutta on 15-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Prakash Chandra Bothra

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at 4B, Jackson Lane, Calcutta having by estimation land area of 6 Cottahs 3 Chittacks and 42 Sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY
 Acquisition Range II,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 4-7-74.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 25th June 1974

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4A being a portion of premises No. 18-B, Alipore Road, Calcutta situated at 18B, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 23-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Straw Products Limited, Registered office at Jaykaypur, Rayagada, Dist. Koraput, Orissa.

(Transferor)

- (2) Nav Bharat Vanijya Limited, Registered office at No. 7, Council House Street, Calcutta.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of partly mourashi mokarari land and partly rent free land measuring 6-K. 8-Ch. 7-sq. ft. marked as Plot No. 4A, being a portion of premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square Calcutta-1.

Date : 25-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 3rd July 1974

Ref. No. AC-18/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta situated at 18A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 23-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

156GI/74

- (1) The Alluminium Corporation of India Ltd., Registered office at 7, Council House Street, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Nav Bharat Vanijya Limited, Registered office at 7, Council House Street, Calcutta.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of partly mourashl mokrari land and partly rent free land measuring 12 kottahs 11 chittaks and 1 square foot marked as Plot No. 3 being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 3-7-74.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sabita Pal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref. No. 6H/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Bulandshahr on 14-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Smt. Harpyari Devi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 402, sqr. yds. is situated at Mahalla Kailashpuri at Distt. Bulandshahr.

K. N. Misra
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated . 21-6-1974,

Scal

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref. No. 29-S/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 217, 226 & 227 situated at Hazrat Ganj, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow, on 21-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------|--------------|
| (1) Shri Nasir Abid | (Transferor) |
| (2) Shiv Gulam & others. | (Transferee) |

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building with land measuring 15 Biswansi and 10 Kachwansi is situated at Hazratganj, Distt. Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated 21-6-1974.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref. No. 19R/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.C., being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Church Lane Housing Scheme, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 16-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Vidhu Sheikbar Joshi Mukhtar Am Sri Ramchandra Joshi & others
(Transferor)

(2) Shri Sri Ram Bahadur Singh & others
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot bearing No. 6 is situated at Church Lane, Allahabad.

K. N. Misra
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Lucknow.

Dated 21-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sbri Bindeshwari Pd & other

(Transferor)

(2) Prem Nath Agrawal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref No 17P/Acq—Whereas, I, K N Misra, I.A.C., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Nanak Shahi situated at Naya Gaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of building which is measuring in whole as under E 63—5" W 62—3" S 97—10" N. 10—10" is situated at Mohalla Naya Gaon Lucknow.

K. N. Misra
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax,
Lucknow.

Dated 21-6-1974.

Seal

FORM ITNS

J. K. Alloys Limited, Registered office at No. 7, Council House Street, Calcutta.

Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA
156, SECTOR 9-B

Calcutta-1, the 27th June 1974

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta situated at 18A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar of Assurance, Calcutta on 23-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

The Alluminium Corporation of India Ltd. Registered office at No. 7, Council House Street, Calcutta.

Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of partly mourashi mokrari land and party rent free land measuring 16 kottahs 4 chittacks 31 sq. ft. marked as Plot No. 2 being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1.

Date : 27-6-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 27th June 1974

Ref. No. AC-22/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 19-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd. 33, Netaji Subhas Road, Calcutta.

Transferor

Mrs. Panna Devi Choudhury, 5B, Clive Ghat Street, Calcutta.

Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat on the 2nd floor at 8A, Alipore Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1.

Date : 27-6-74

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Mukand Lal Munshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 21st June 1974

Ref. No. 21A/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-7/34-AA situated at Sant Kabir Road, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 29-21-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. C-7/34-AA is situated at Sant Kabir Road, Varanasi Distt.

K. N. MISRA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Dated 21-6-1974

Seal—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st June 1974

Ref. No. 4I/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.S., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E25 situated at Naka Mujafra, Faizabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Faizabad on 29-12-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Mahadeo Prasad.

(Transferor)

Dated 21-6-1974

2. Indra Bahadur Singh & others,

(Transferee)

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two houses measuring 1761 sqr. ft. and 3627 sqr. ft. respectively are situated at Naka Mujafra, in Distt. Faizabad.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Pal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nathiya and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 21st June 1974

No. 4N/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1459-M, 1460-M, 1477 & 1479, situated at Sikandrabad in Distt. Bulandshahr,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad 24-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot of Land measuring 4 Bighas and 16 Biswa is situated at Sikandrabad in Distt. Bulandshahr.

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated : 21-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 25th June 1974

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Khatian No. 22 and 6 Dag Nos. 60, 61, 83, 84, 85, 81, 87, 88, 89, 90, 91, 93, situated at Mouza Sirish Beria, P. S. Salanpur, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 31-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Dr. Gopal Chandra Sen of Sanktoria, P. S. Kulti, Dist. Burdwan.
2. Sm. Sudharani Debi of 146, Rash Behari Avenue, Calcutta.

3. Sm. Kalyani Bhattacharjee of 8C, Ekdalia Road, Calcutta.
4. Sm. Bina Bhowmick of 40/7, Gariahat South, Calcutta.
5. Sm. Sudha Das of 17A, Ekdalia Road, Calcutta.
6. Sri Nalini Kanta Bose of 40/7, Gariahat South, Calcutta.
7. Sri Mukul Roy of 57B, New Alipore, Calcutta.
(Transferee)

Shri Sunil Kumar Sarkar, Managing Director of M/s Rupnaryanpur Refractories and Ceramics (Pvt) Ltd. of t
he Mall, Calcutta-28
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khatian No. 22 and 6, Dag Nos. 60, 61, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93 area 35 Bighas & 2 cottahs of land at Mouza Sirishberia, P. S. Salanpur, Dist. Burdwan.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1.

Date : 25-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 21st June 1974

Ref. No. 20A/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-A situated at Church Lane, Allahabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Allahabad on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Dr. Om Prakash. (Transferor)
2. Dr. Arjun Singh & others. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 654 sqr. yds. is situated at Church Lane, Allahabad.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 21-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 21st June 1974

Ref 24B/Acq.—Whereas I K N Misra I.A.C., being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at Dhola Khera, in Dist Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani, Dist Nainital on 10-12 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- | | |
|--------------------|--------------|
| (1) Smt Tulsi Devi | (Transferee) |
| (2) Balwant Singh | (Transferee) |

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 Bighas and 16 Biswa with one house, is situated at village Dhola Khera in distt Nainital

K N Misra
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date 21-6-1974

Seal .

FORM ITNS—

Shri Ramesh Datt, Mayfair Garden, Little Gibbs Road,
Bombay-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1974

Ref. No. Ac-26/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 9, situated at 32B, New Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 20-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

The Britannia Biscuit Company Ltd., 15, Taratala Road, Calcutta-53.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat bearing No. 9 on the 4th floor at 32B, New Road, Alipore, Calcutta together with one servant's room on the 1st floor and land measuring 2.837 Kottahs.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, Calcutta.
Calcutta-1.

Date : 5-7-74

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st June, 1974

Ref. No. 27-S Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nanak Shahi situated at Naya Gaon and more fully described in the Scheduled annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 27-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| (1) Shri Bindeshwari Pd & others | (Transferor) |
| (2) Shri Sri Prakash Agrawal | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Parched 1/3 building but measuring in whole as under E. 63"—5" W. 62—3" S. 97—10 N. 10—10 is situated at Mohalla Naya Gaon, Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated : 21-6-74.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

Bombay-20, the 16th July 1974

No. ARI/557-5/Oct.73.—Whereas, I, S. S. PHADKE, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 445 of Lower Parel Division, situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 9-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shree Madhusudan Mills Ltd.
(Transferor)

(2) Shree Madhu Industrial Estate Pvt. Ltd.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing C.S. No. 445 at Lower Parel, Bombay, Area 8000 sq. yds. 6688.8 sq. meters.

S. S. PHADKE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 16th July, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

1 Shri Ram Kumar Agarwal & others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 M/s. Lucknow Vishwa Vidyalaya, K. S. G. N. Sud. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWLucknow, the 21st June 1974

Ref. No. 8L/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 284 situated at Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so foreseen exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And where the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

15-156 GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the above-said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 284 measuring 3 Bighas and 17 Biswas is situated at Village—Fatehpur in Distt. Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 21-6-1974

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 26th June, 1974

Ref. No. PR 109 Acq. 23-61/6-1/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Census No. Va-3/555 Sur. No. 225/1 Paiki Tika No. 105 situated at Pratapnagar Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 17-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Bai Johara—daughter of Dr. Samsuddin Jivabhai, Mugalwada, Baroda.

(2) Shri Bhikaji Jayavadanlal Chokshi, Ghadiali Pole, near Temple, Baroda. (Transferee)

(3) LIST OF TENANTS ON LAND BEARING CENSUS NO. Va-3/555 PAIKI REVENUE SUR. NO. 225/1 PAIKI-TIKA NO. 105—WADI-VIBHAG, PRATAPNAGAR ROAD, BARODA

1. Shri Ranchodlal Harilal Thakkar
2. Shri Dhalumal Rupchandmal
3. Shri Ramanlal Keshavlal Dhobi
4. Shri Suresh Nanakram Nabulani
5. Shri Babubhai Maganlal Swami
6. Shri Balasaheb Raosaheb
7. Shri Bhavrao Yashvantrao Maskar
8. Shri Bannubhai Kalubhai
9. Shri Chelaram Mulchand
10. Shri Ratilal Gordhanbhai
11. M/s. J. C. Chokshi & Co., Agent, Burmah Shell
→Pratapnagar Road, near Burmah-shell Petrol Pump,
Baroda.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distribution Co. of India, Ltd., Burmah-shell House, Ballard Estate, Bomboy.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (land and certain old structures) bearing Rev. Sur. No. 225/1 Paiki-Tika No. 105—Census No. Va-3/555 Paiki Vadi-Vibhag—situated at Pratapnagar Road, Baroda, admeasuring 8947 sq. ft. as mentioned in registered deed No. 3900 of October 1973 of the Registering Officer, Baroda.

P. N. Mittal,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 26-6-1974.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVERTISEMENT NO. 29

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for form, must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 19th August, 1974 (2nd September, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

One post at S. No. 4 permanent. Post at S. No. 17 permanent but appointment on temporary basis. One post at S. No. 4 and posts at S. Nos. 8 to 11 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 1 to 3, 6, 7, 12, 13, 16 and 18 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. Nos. 5, 14 and 15 temporary.

One post at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates and one for Scheduled Tribes candidates, if available, otherwise not to be treated as unreserved. Post at S. No. 8 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. Post at S. No. 11 reserved for Scheduled Tribes candidates who alone need apply. Post at S. No. 15 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates.

1. *One Director Grade I, Defence Research Laboratory (Materials) Kanpur, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 2000—100—2500. Age.—Preferably below 55 years. Qualification.—Essential.—(i) High academic qualification in the field of Chemistry/Applied Chemistry/Chemical Technology preferably Ph.D or D.Sc. of a recognised University. (ii) Outstanding contribution in research and development work in the concerned Branch of Science and Technology as evidenced by actual designs project reports or completed hardware and/or published papers and patents. (iii) Experience of having and guiding research and development work in one or more of the following areas :—(a) Degradation of materials

due to chemical and biological action. (b) Liquid fuels, oils and lubricants. (c) Monomers and Polymers, Reinforced plastics and composite materials, carbon fibres, rubbers elastomers etc. (iv) Experience of leading and management of large projects in any of the above fields. (v) Requisite administrative and man management experience in a responsible capacity connected with scientific and technical institutions and research and development establishment and capacity to run a large research and development establishment.

2. *One Selection Grade Professor in Mechanical Engineering, College of Military Engineering, Pune, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 1600—100—1800. Age.—Preferably below 50 years. Qualifications.—Essential.—(i) First Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent or Post-graduate Degree in Mechanical Engineering or equivalent. (ii) 15 years' practical experience in Mechanical Engineering including at least 2 years' teaching experience.

3. *One Selection Grade Professor in Electrical Engineering College of Military Engineering, Pune, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 1600—100—1800. Age.—Preferably below 50 years. Qualifications.—Essential.—(i) First Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent or Post-graduate degree in Electrical Engineering or equivalent. (ii) 15 years' practical experience in Electrical Engineering including at least 2 years' teaching experience.

4. *Two Works Manager, India Government Mints, Bombay and Hyderabad, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.* Pay.—Rs. 1100—50—1600. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical Engineering and/or Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience in Electrical or Mechanical Engineering in a responsible capacity in a Government Department or Commercial Organisation of repute.

5. *One Senior Scientific Officer, Grade I, AIR Headquarters, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 700—50—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class degree in Electronics of a recognised University or equivalent. Or at least Second Class M.Sc. degree in Physics with Electronics as an Elective subject of a recognised University or equivalent. (ii) Four years' experience in the field of avionics and aircraft systems design.

6. *Six Senior Scientific Officers, Grade I, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Preferably below 40 years. Qualifications.—Essential.—For Categories I & II (three posts) :—(i) At least Second Class degree in Mechanical/Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Four years' experience in research/design/development in the area of gas turbine technology. For Category III (one post) :—(i) At least Second Class degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Four years' experience in research/design/development in the gas turbine industry. For Category IV (two posts) :—(i) At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Four years' experience with the gas turbine industry in the design/development of gas turbine components.

7. *One Junior Scientific Officer, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.

8. One Lecturer in Electronics, Military College of Electronics & Mechanical Engineering, Secunderabad, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—At least 2nd Class degree in Electronics Engineering of a recognised University or equivalent with 3 years' teaching/research/professional experience. Or At least 2nd Class Master's Degree in Electronics Engineering of a recognised University or equivalent.

9. One Lecturer in Production Engineering, Corps of Electrical and Mechanical Engineers, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class Degree in Production Engineering of a recognised University or equivalent with 3 years' teaching/research/professional experience. Or At least Second Class Master's Degree in Production Engineering from a recognised University or equivalent.

10. One Lecturer in Metallurgy, Corps of Electrical and Mechanical Engineering, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class Degree in Metallurgy of a recognised University or equivalent with 3 years' teaching/research/professional experience. Or At least Second Class Master's Degree in Metallurgy from a recognised University or equivalent.

11. One Lecturer in Machine Design, Military College of Electronics & Mechanical Engineering, Secunderabad, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—At least 2nd Class degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent with Machine Design as a subject and with 3 years' teaching/research/professional experience. Or At least 2nd Class Master's Degree in Machine Design Engineering from a recognised University or equivalent.

12. One Industrial Training Liaison Officer-cum-Training Officer, Delhi Administration, Delhi. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Automobile/Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' professional experience in Automobile/Allied Industries.

13. Four Senior Scientific Officers Grade II, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—For all categories :—(I, II & III).—(i) At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. For Category I (2 posts) :—(ii) Two years' experience in design and development of press Tools, Dies for injection moulding, compression moulding, and pressure die casting and jigs & fixtures for precision assembly work and/or training in tool & die design in a reputed training Institute. For Category II (one post) :—(ii) Two years' experience in the investigation of ignition characteristics of fuels. For Category III (one post) :—(ii) Two years' experience in internal ballistics of solid and hybrid rocket engines.

14. Seven Assistant Geophysicists (Instrumentation), Geological Survey of India, Calcutta, Ministry of Steel

& Mines, Department of Mines. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—Master's Degree in Physics or Radio-Physics & Electronics or Geophysics of a recognised University or Institute. Or Degree in Instrument Technology or Electrical or Telecommunication of a recognised University or Institute.

15. One Lecturer in Geography, National Defence Academy, Kharakwasla, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 plus Rs. 150/- Special Allowance. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Good Academic record with at least Second Class Master's Degree in Geography from a recognised University/Institution or equivalent qualifications. (ii) About 2 years' teaching/research experience.

16. One Public Health Dentist, Directorate of Health Services, Public Health Department, Government of Goa, Daman & Diu. Pay.—Rs. 325—25—500—30—590—EB—30—800. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—A Degree qualification included in Part I or Part II of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (Act XVI of 1948).

17. One Guide Lecturer in the National Gallery of Modern Art, New Delhi, Department of Culture. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575/- (under revision). Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University with Indian History or Indian Culture as a subject. (ii) About 2 years' experience as a Lecturer in Art in recognised Institute or about 2 years' experience as writer on art or as an art critic or as a Guide in Art Gallery of standing.

18. One Senior Technical Assistant, Office of the Serologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575/- (Likely to be revised on the recommendations of the Third Pay Commission). Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Microbiology/Biochemistry/Organic Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in a Microbiology, Serology, Biochemical or Chemical Laboratory. Or (i) Bachelor's degree in Science with Microbiology or Chemistry as a subject from a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience in Microbiology, Serology, Biochemical or Chemical Laboratory.

CORRIGENDUM

One Physician-cum-Superintendent Dandakaranya Project, Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation). Reference item No. 7 of Commission's advertisement No. 23 published on 8-6-1974. It is notified for general information that the recruitment to the post has since been cancelled. The fee paid by the candidate, who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

M. B. NAIR
Under Secretary,
Union Public Service Commission